राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार, 12 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–256 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## टेरर फंडिंग केस में एनआईए का बड़ा ऐक्शन; जम्मू-कश्मीर के पुलवामा, शोपियां, राजौरी समेत कई इलाकों में रेड

**श्रीनगर।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जम्मू और कश्मीर में अल हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट की संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े आतंकी फंडिंग मामले में छापेमारी की है। आतंकवाद विरोधी एजेंसी केंद्र शासित प्रदेश के राजौरी, पुंछ, जम्मू, श्रीनगर, पुलवामा, बडगाम, शोपियां और बांदीपोरा जिलों में अलग-अलग स्थानों पर तलाशी ले रही है। यह छापेमारी जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की टीमें मिलकर कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में अल हुदा एजुकेशनल ट्रस्ट की संदिग्ध गतिविधियों से जुड़ा है। इस ट्रस्ट के फंडिंग पैटर्न और गतिविधियों को लेकर एनआईए की ओर से केस दर्ज किया गया था, जो जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर की यूनिट के तौर पर काम कर रहा है। इसे 2019 में के तहत एक गैरकानूनी संघ घोषित किया गया था। गौरतलब है कि बीते महीने एनआईए की अगुवाई में कई एजेंसियों ने 11 राज्यों में आतंकवाद के वित्त पोषण में शामिल संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के कम से कम 106 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बताया कि सबसे अधिक गिरफ्तारियां केरल (22), महाराष्ट्र (20), कर्नाटक (20), आंध्र प्रदेश (5), असम (9), दिल्ली (3), मध्य प्रदेश (4), पुडुचेरी (3), तमिलनाडु (10), उत्तर प्रदेश (8) और राजस्थान (2) में की गईं। दिल्ली हाई कोर्ट ने बीते शुक्रवार को एनआईए से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें पीएफआई के कथित सदस्यों के खिलाफ गैर-कानूनी गतिविधियां कानून के तहत दर्ज मामले से जुड़ी प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध कराने की अपील की गई थी। जस्टिस अनूप कुमार मेंदीरत्ता ने मोहम्मद यूसुफ की ओर से दायर याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी किया।

# पीएम ने जेपी और नानाजी देशमुख को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि, कहा– राष्ट्र निर्माण में खुद को किया समर्पित

**प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट किया कि लोकनायक जेपी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। भारत में उनका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने लाखों लोगों को राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।**

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जयप्रकाश नारायण को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। जयप्रकाश नारायण इमरजेंसी विरोधी आंदोलन से उभरे एक बड़े नेता थे। पीएम मोदी ने जेपी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने लोगों को राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने जनसंघ के नेता नानाजी देशमुख को भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। नानाजी देशमुख ने 60 के दशक में सामाजिक कार्य और ग्रामीण सशक्तिकरण के लिए सक्रिय राजनीति छोड़ दी थी।

**भारत में जेपी का योगदान अद्वितीय:पीएम मोदी**

पीएम मोदी ने ट्विटर पर एक वीडियो ट्वीट करते हुए कहा कि लोकनायक जेपी को उनकी जयंती पर

श्रद्धांजलि। भारत में उनका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने लाखों लोगों को राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को समर्पित करने के लिए प्रेरित किया। उन्हें हमेशा लोकतांत्रिक आदर्शों के पथ प्रदर्शक के रूप में याद किया जाएगा।

**नानाजी एक उत्कृष्ट विचारक थे:पीएम मोदी**

इसके साथ ही पीएम मोदी ने अपने दूसरे ट्वीट में देशमुख को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, 'भारत रत्न नानाजी देशमुख को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। ग्रामीण भारत और कृषि की उनकी समृद्ध समझ उनके कार्यों में परिलक्षित होती है। वे एक उत्कृष्ट विचारक भी थे।'

**विरोध प्रदर्शनों के बीच सक्रिय राष्ट्रीय राजनीति में आए जेपी**

1902 में जन्मे जेपी को प्यार से लोग उन्हें नारायण बुलाते थे। वह एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी और एक क्रांतिकारी समाजवादी नेता थे। आजादी के बाद वे ज्यादातर सामाजिक कार्यों में शामिल रहते हुए दलगत

राजनीति से दूर रहे थे। हालांकि, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ छात्र निकायों सहित विरोध प्रदर्शनों के बीच वह राष्ट्रीय राजनीति पर लौट आए थे।

## छत्तीसगढ़ में अफसरों के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, कई सीएम बघेल के करीबी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई शहरों में सुबह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी चल रही है। बताया जा रहा है कि ईडी की टीम ने रायपुर, भिलाई, दुर्ग, महासमुंद, रायगढ़ में आईएएस अफसर, चार्टेड एकाउंटेंट सहित नेताओं के यहां रेड मारी है। प्रदेश के कई बड़े अफसरों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। सुबह करीब 5 बजे से दर्जनभर अफसरों के ठिकानों की तलाशी ली जा रही है।

बताया जा रहा है कि हाल के समय में छत्तीसगढ़ में सबसे बड़ी छापेमारी है। करीब दर्जनभर ठिकानों पर एक साथ ईडी के अधिकारी छापेमारी कर रहे हैं। जिन अधिकारियों के आवासों पर छापेमारी की गई है, उनमें से

अधिकतर सीएम भूपेश बघेल के करीबी बताए जाते हैं। दुर्ग में सौम्या चौरसिया, रायपुर में सीए विजय मालू के घर रेड पड़ी है। मुख्यमंत्री की उप सचिव सौम्या चौरसिया के भिलाई निवास, रायपुर के देवेंद्र नगर में सीए विजय मालू के घर ईडी की रेड पड़ी है। माइनिंग हेड आईएएस जेपी मौर्या के रायपुर स्थित घर पर भी छापेमारी की जा रही है। महासमुंद में नेता अग्नि चंद्राकर के ठिकानों पर भी ईडी के अधिकारियों के पहुंचने की सूचना है। अनुपम नगर में सूर्यकांत तिवारी के घर भी रेड पड़ी है। पूरा मामला कोयले से जुड़ा होना बताया जा रहा है। इससे पहले कुछ नेताओं के घरों में आईटी की रेड पड़ी थी।

## नहीं रह 'छेल्लो शो' के लीड एक्टर, ब्लड कैंसर ने ली 10 साल के राहुल कोली की जान

**मुंबई।** बी-टाउन इंडस्ट्री से हाल ही में एक दुख भरी खबर सामने आई है। खबर है ऑस्कर में जाने वाली गुजराती फिल्म 'छेल्लो शो' के लीड एक्टर राहुल कोली हमारे बीच नहीं रहे। राहुल के पिता के मुताबिक उन्हें बार-बार बुखार आ रहा था। इसके बाद ही उन्हें उल्टियां होने लगी थीं। फिल्म की रिलीज से कुछ दिन पहले ही उनके निधन से हर कोई दुखी है। राहुल के पिता रामू कोली ने बताया कि रविवार को उसने नाश्ता किया था और उसके बाद उसे बुखार आने लगा। उसे तीन बार खून की उल्टियां हुईं और फिर मेरा बच्चा नहीं रहा। हमारा परिवार टूट गया। लेकिन हम उसका विधिवत अंतिम संस्कार करने के बाद उसकी 'लास्ट फिल्म शो' जरूर देखेंगे जो कि 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

**ब्लड कैंसर ने ली जान**–ब्लड कैंसर यानी ल्यूकेमिया से पीड़ित होने के बाद राहुल अहमदाबाद के गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान में पिछले चार महीने से इलाज करा

रहे थे। फिल्म की शूटिंग खत्म होने के 4 महीने बाद राहुल की बीमारी का पता चला था। शुरुआत में उन्हें हल्का बुखार आ रहा था लेकिन दवाइयों के बाद वह ठीक नहीं हो रहे थे।

**रिलीज से 3 पहले दुनिया को कहा अलविदा** -फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 12 दिन पहले ही इस गुजराती फिल्म को 95वें अकादमी पुरस्कारों में भारत की ऑफिशियल एंट्री के रूप में चुना है।बता दें कि साल 2023 के ऑस्कर नॉमिनेशन की रेस में एसएस राजामौली की RRR, विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स, फहद फासिल की फिल्म मलयंकुंजू और साउथ एक्टर नानी की फिल्म श्याम सिंघा रॉय शामिल थी लेकिन बाजी गुजराती फिल्म छेल्लो शो मार ले गई। राहुल कोली फिल्म छेल्लो शो में लीड रोल में हैं। राहुल की आखिरी फिल्म तीन दिन बाद सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। लास्ट फिल्म शो (छेल्लो शो) गुजराती भाषा में 14 अक्टूबर 2022 को गुजरात और पूरे भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

## आतंक पर प्रहार; पंजाब में 10 दिनों में 5 आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 17 दहशतगर्द गिरफ्तार

**चंडीगढ़।** पंजाब पुलिस ने पिछले 10 दिनों में 17 लोगों को गिरफ्तार कर 5 बड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इसके अलावा पुलिस के दलों ने 3 हथगोले और एक आईईडी भी बरामद की है। पुलिस महानिरीक्षक सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि लखबीर सिंह उर्फ लांडा, हरविंदर सिंह उर्फ रिंडा और अर्श डल्ला जैसे गैंगस्टर से आतंकवादी बने हैं, जिनकी ओर से चलाए जा रहे आतंकी मॉड्यूल को पुलिस टीम ने भारी नुकसान पहुंचाया है। गिल ने बताया कि पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसी ISI समर्थित आतंकी मॉड्यूल के तीन सदस्यों को 1 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया, जिसके बाद एक मॉड्यूल का पंजाब पुलिस ने भंडाफोड़ किया। इस मॉड्यूल का संचालन कनाडा में रह रहा लखबीर और पाकिस्तान में रह रहा हरविंदर कर रहा था।

**खालिस्तान टाइगर फोर्स के आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़**

सुखचैन सिंह ने बताया कि ISI समर्थित खालिस्तान टाइगर फोर्स के आतंकी मॉड्यूल का भी भंडाफोड़ किया गया, जिसका संचालन कनाडा स्थित आतंकी और गैंगस्टर अर्शदीप कर रहा था। मॉड्यूल के 2 सदस्यों को चमकौर साहिब से गिरफ्तार किया

गया। इनसे पूछताछ के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने 4 अक्टूबर को ISI समर्थित नार्को-आतंकवाद मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। उसने इसके मुख्य सदस्य को गिरफ्तार कर लिया। आईजी ने बताया कि 9 अक्टूबर को खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया, जिसका संचालन जर्मनी में रह रहा गुरमीत सिंह उर्फ बग्गा कर रहा था।

## जम्मू कश्मीर में डिपार्टमेंटल स्टोर पर मिलेगी बीयर, एलजी सिन्हा की मंजूरी; पूरी करनी होंगी ये शर्तें

**श्रीनगर।** जम्मू-कश्मीर में डिपार्टमेंटल स्टोर और किराना दुकानों में बीयर बेची जा सकेगी। यहां की आबकारी नीति में कुछ बदलाव हुए हैं। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा की अध्यक्षता वाली प्रशासनिक परिषद ने शहरी क्षेत्रों में बीयर और अन्य रेडी टू ड्रिंक पेय बेचने की परमिशन दी। यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर में डिपार्टमेंटल स्टोर में बीयर की बिक्री होगी। हालांकि इसमें कुछ शर्तें रखी गई हैं। केवल वे ही इस योजना का पात्र बन सकेंगे।

जम्मू कश्मीर में अब डिपार्टमेंटल स्टोर में बीयर की बोतलें नजर आने वाली हैं। इसके लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाली प्रशासनिक टीम ने केंद्र शासित प्रदेश की आबकारी नीति में कुछ बदलाव किए हैं।

**क्या होंगी शर्तें**

एक कमर्शियल परिसर में वे डिपार्टमेंटल स्टोर जो न्यूनतम 1,200 वर्ग फुट में फैले होंगे और जम्मू और श्रीनगर में कम से कम 5 करोड़ रुपये का वार्षिक कारोबार और अन्य शहरी क्षेत्रों में 2 करोड़ रुपये जैसी शर्तों को पूरा करते हैं, केवल वही इस योजना के तहत पात्र होंगे। एक अधिकारी ने कहा कि 10 करोड़ रुपये से अधिक का सालाना कारोबार करने वाले डिपार्टमेंटल स्टोर

अपने प्रत्येक स्टोर के लिए अलग-अलग लाइसेंस के लिए आवेदन भी कर सकेंगे। लाइसेंस के लिए आवेदन करने की तारीख से कम से कम 12 महीने पहले एक डिपार्टमेंटल स्टोर अस्तित्व में होना चाहिए।

**झारखंड में हिंदू महिला से अफेयर की वजह से मुस्लिम शख्स की हत्या, इलाके में तनाव**

हालांकि, यह शर्त 10 करोड़ रुपये से अधिक के सालाना कारोबार वाले डिपार्टमेंटल स्टोर चेन से संबंधित नए/हाल ही में खोले गए आउटलेट के मामले में लागू नहीं होगी। इसके अलावा, पात्र होने के लिए डिपार्टमेंटल स्टोर्स को इन श्रेणियों की कम से कम छह वस्तुओं की बिक्री भी करनी होगी। किराना, पैकिंग भोजन, कन्फेक्शनरी , बेकरी आइटम, अन्य प्रसाधन सामग्री, घरेलू सामान, बर्तन/रसोई के सामान, खेल सामग्री, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और स्टेशनरी।

**इन स्टोर्स को परमिशन नहीं**–अधिकारियों ने आगे कहा कि पेट्रोल पंपों पर काम कर रहे डिपार्टमेंटल स्टोर्स के लिए लाइसेंस देने के लिए किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

# कोलकाता में 2 समुदायों के बीच झड़प के बाद बढ़ा तनाव; मोमिनपुर में धारा 144 लागू, 41 लोग गिरफ्तार

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में दो समुदायों के बीच झड़प के बाद कोलकाता के मोमिनपुर क्षेत्र में धारा 144 लगा दी गई है। पुलिस की टीमें तैनात हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में 41 लोगों को गिरफ्तार किया है। झड़प में कई लोग घायल हो गए। 6 दुकानों में तोड़फोड़ की गई जिनमें से 2 में आग लगा दी गई। बताया जा रहा है कि भीड़ ने 6 कारों और बाइक्स को भी नुकसान पहुंचाया है। कुछ घरों में तोड़फोड़ और ईंट-पत्थर फेंके जाने की खबरें भी सामने आई हैं। हिंसा में 7 पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

झड़प को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया है। भाजपा का दावा है कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है, जिस पर सत्तारूढ़ दल ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। तृणमूल ने आरोप लगाया कि भाजपा राज्य का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रही है।

**झड़प को लेकर राजनीति गरमाई**

प्रदेश भाजपा प्रमुख सुकांत मजूमदार ने क्षेत्र में जाने की कोशिश की लेकिन उन्हें उत्तर कोलकाता के चिन्ग्रिघाट इलाके में रोक लिया गया। इलाके में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत निषेधात्मक आदेश लागू होने के

चलते उनसे वापस जाने को कहा गया। सीनियर पुलिस अफसर ने कहा कि उन्हें समझाया गया कि वहां निषेधात्मक आदेश लागू हैं, लेकिन वह वहां जाने पर अड़े रहे। उन्होंने बताया, सुकांत मजूमदार को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें लालबाजार पुलिस मुख्यालय लाया गया। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राज्यपाल एल गणेशन को पत्र लिखा है। इसमें अपील की गई है कि बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति के हाथ से निकलने से पहले मोमीनपुर हिंसा और इकबालपुर थाने में तोड़फोड़ के मद्देनजर प्रभावित इलाके में केंद्रीय बलों की तत्काल तैनाती की जाए।

**टीएमसी और भाजपा नेताओं में जुबानी जंग**–भाजपा पर राज्य का माहौल खराब करने का आरोप लगाते हुए तृणमूल के वरिष्ठ नेता सौगत राय ने कहा कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने सभी जरूरी कदम उठाए। राय ने कहा, उपद्रवियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सुकांत मजूमदार वहां जाकर घृणा भरे भाषण देने के अलावा क्या करेंगे? भाजपा राज्य के माहौल को खराब करने की कोशिश कर रही है। भाजपा को हर घटना का राजनीतिकरण करना बंद करना चाहिए।

अधिकारी ने मजूमदार की गिरफ्तारी के खिलाफ भाजपा का विरोध दर्ज कराने के लिए पश्चिम बंगाल विधानसभा से राजभवन तक मार्च निकाला। अधिकारी ने कहा, हम अपना विरोध दर्ज कराने के लिए राज्यपाल के पास आए थे। मुख्य विपक्षी दल के प्रदेश अध्यक्ष के साथ व्यवहार करने का यह तरीका है? राज्य सरकार स्थिति को नियंत्रित करने में पूरी तरह विफल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संपादकीय

# मौतों की जवाबदेही

यह खबर विचलित करती है कि गुरुग्राम द्वारका एक्सप्रेस-वे के किनारे बने गड्ढे में भरे बरसाती पानी में डूबकर छह बच्चों की मौत हो गई। ये बच्चे पास ही की एक श्रमिक बस्ती के थे। हम अक्सर खबर में मरने वालों को आंकड़ा देखते हैं लेकिन उस परिवार के दर्द को महसूस नहीं करते, जिसने एक या अधिक बच्चों को खोया। ये कई संभावनाओं और उम्मीदों का अंत है। उन परिवारों पर भी वज्रपात है जो बच्चे के लिये तमाम धार्मिक स्थलों में मन्नतें मांगते तथा अस्पतालों के चक्कर लगाते रहे। निश्चित तौर पर एक्सप्रेस-वे के निकट मिट्टी खोदने से बने गड्ढे के पास चेतावनी संकेत नहीं लगाये गये होंगे, जो बताते कि ये गड्ढे मौत का सबब बन सकते हैं। आखिर निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों, इंजीनियरों व ठेकेदारों की जवाबदेही क्यों नहीं तय की जाती? क्यों निर्माण से जुड़ा तंत्र किसी जान की कीमत का अहसास नहीं करता? निस्संदेह, यह पहली घटना नहीं है जिसमें बेकसूर बच्चों या लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी हो। देश में आये दिन ऐसे हादसे होते रहते हैं कि फलां जगह खोदे गड्ढे में गिरकर किसी की मौत हो गई, कभी ओवर ब्रिज का निर्माणाधीन हिस्सा गिरने से लोग मर गये। दरअसल, हमारे सिस्टम में सार्वजनिक निर्माण से जुड़े मानकों में कामचलाऊ रवैया अख्तियार किया जाता है। लेकिन इसकी कीमत उस व्यक्ति व परिवार को चुकानी पड़ती है, जिसका कोई कसूर नहीं होता। वो फिर भी बेमौत मारा जाता है। मृतकों के परिजनों की क्षति को संवेदनशील ढंग से महसूस करना चाहिए। साथ ही आपराधिक लापरवाही बरतने वालों को नजीर की सजा दी जानी चाहिए। तमाम विकसित देशों में सार्वजनिक निर्माण में न केवल गुणवत्ता के उच्च मानकों का निर्धारण होता है बल्कि हादसे होने पर न्यायालय के जरिये मोटा जुर्माना देने को भी बाध्य किया जाता है। जिसके चलते सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन होता है।

कमोबेश, यह स्थिति देश के राष्ट्रीय राजमार्गों की भी है, जहां हर साल लाखों निर्दोष लोग मौत का शिकार बन जाते हैं। इसमें जहां तेज रफ्तार, नशे में ड्राइविंग व लापरवाही की भूमिका होती है, वहीं राजमार्गों के निर्माण संबंधी खामियां भी जिम्मेदार होती हैं। इन जोखिमभरी राहों के निर्माण में डिजाइन में खोट पाया जाता रहा है। यही वजह है कि भारत में विकसित देशों के मुकाबले प्रति व्यक्ति कम वाहन होने के बावजूद सड़क दुर्घटनाओं में मरने वाले लोगों की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। कितने दुख की बात है कि लाखों बेकसूर किसी दूसरे की गलती से मारे जाते हैं। लाखों की संख्या ऐसे लोगों की भी है जो इन दुर्घटनाओं में जीवनभर के लिये विकलांग हो जाते हैं। दुखद यह है कि मरने वालों में सबसे ज्यादा संख्या युवाओं की है जो कामकाज के लिये घर से निकलते हैं। उनके निधन से पूरा परिवार गरीबी के दलदल में चला जाता है। ये अभागे उन डेढ़ लाख लोगों में शामिल हैं जो हर साल सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, जिस मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर हमने पिछले दिनों उद्योग जगत के बेशकीमती हीरे सायरस मिस्त्री को खोया, उसके सौ किलोमीटर के दायरे में इस साल साठ लोगों की मौत हो चुकी है। जिसमें राजमार्ग में निर्माण की तकनीक में चूक को भी जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। लेकिन इस तकनीकी खामी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय देश का ध्यान पिछली सीट पर बेल्ट लगाने के मुद्दे पर केंद्रित कर दिया गया। जबकि राष्ट्रीय विमर्श राजमार्गों में निर्माण संबंधी खामियों को दूर करने पर केंद्रित होना चाहिए था। निस्संदेह, बेकसूर लोगों का असमय जाना रोकने के लिये राष्ट्रीय राजमार्गों में सुरक्षा मानकों में सुधार प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। साथ ही दोषपूर्ण निर्माण के लिए दोषी एजेंसियों तथा अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। राजमार्गों में गति जरूरी है, लेकिन उससे पहले मार्गों का रखरखाव व नागरिकों की जीवन रक्षा की प्राथमिकता तय की जानी चाहिए। दुर्घटना उन्मुख क्षेत्रों की पहचान करके उनके डिजायनों में अविलंब सुधार हो।

# फ्रांस ने बढ़ाया हाथ

संकल्पबद्ध होकर जब कोई देश आगे बढ़ता है तो उसका सहयोग करने के लिए बाकी दुनिया में होड़ लग जाती है। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इस्राइल के बाद यूरोप के देश भी भारत का रक्षा सहयोगी बनने को तत्पर लगते हैं। इस होड़ में अब फ्रांस भी शामिल हो गया है। फ्रांस के राजदूत इमैनुएल लेनैन ने भारत के रक्षा उत्पादन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सर्वश्रेष्ठ भागीदार बनने की इच्छा जताई है और कहा है कि फ्रांस ने सर्वोत्तम प्रौद्योगिकी तथा उपकरणों को साझा करने का फैसला किया है। लेनैन ने कहा कि फ्रांसीसी और भारतीय कंपनियां भविष्य के उपकरण और मंचों के संदर्भ में मिलकर विचार विमर्श कर रही हैं। फ्रांसीसी राजदूत का कहना था कि हमें लगता है कि कोई भी देश भारत को समान स्तर की प्रौद्योगिकी प्रदान नहीं करता । इसमें (भागीदारी) प्रगति इसलिए जरूरी है क्योंकि हम मानते हैं कि भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देना चाहता है, अपना रक्षा औद्योगिक आधार बनाना चाहता है और इस कदम में हम भारत का सबसे अच्छा भागीदार बनना चाहते हैं। सितम्बर 2016 में दोनों देशों के बीच लगभग 59,000 करोड़ रुपये की 36 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के एक अंतर-सरकारी समझौते के बाद दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध नये मुकाम पर पहुंच चुके हैं। रक्षा क्षेत्र हमेशा दोनों में सहयोग का मजबूत हिस्सा रहा है, दोनों देशों के बीच विश्वास की भावना बेहद गहरी है। दोनों देशों में रक्षा सहयोग के क्षेत्र में अच्छी प्रगति हो रही हैर ऐसा रिश्तों में सहजता से ही संभव है। यूक्रेन संकट और हिंद-प्रशांत क्षेत्र के घटनाक्रम के कारण उभरे वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर दोनों प्रमुख देशों में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर विचार किया जा रहा है। फ्रांस शुरू से ही 'मेक इन इंडिया' नीति में भागीदार रहा है। अब भारत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की नीति पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। फ्रांस इसमें भी गहरा सहयोग करना चाहता है। लेनैन का कहना था कि फ्रांस भारत के साथ उपकरण विकसित करने और प्रौद्योगिकी की जानकारी साझा करने के लिए तैयार है। यह घटनाक्रम संयुक्त राष्ट्र सहित तमाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बढ़ते महत्व को रेखांकित करता है। भारत पहले ही रक्षा क्षेत्र में आयातक से निर्यातक की भूमिका में आ चुका है।

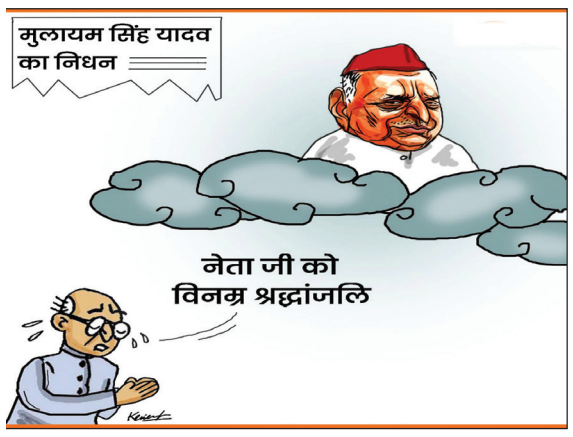


## चिंतन-मनन

# अनंत शक्तियों का स्वामी हैं हमारा मन

हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखना चाहिए कि मन का परमात्मा के साथ घनिष्ठ संबंध है। मन और ब्रह्म दो भिन्न वस्तुएं नहीं हैं। ब्रह्म ही मन का आकार धारण करता है। अत- मन अनंत और अपार शक्तियों का स्वामी है। मन स्वयं पुरुष है एवं जगत का रचयिता है। मन के अंदर का संकल्प ही बाह्य जगत में नवीन आकार ग्रहण करता है। जो कल्पना चित्र अंदर पैदा होता है, वही बाहर स्थूल रूप में प्रकट होता है। सीधी-सी बात है कि हर विचार पहले मन में ही उत्पन्न होता है और मनुष्य अपने विचार के आधार पर ही अपना व्यवहार निश्चित करता है। अगर मन में विचार ही न हों तो फिर क्रियान्वयन कहां से आएगा। शायद इसीलिए कहा गया है कि मन के जीते जीत है और मन के हारे हार। मन का स्वभाव संकल्प है। मन के संकल्प के अनुरूप ही जगत का निर्माण होता है। वह जैसा सोचता है, वैसा ही होता है। मन जगत का सुप्त बीज है। संकल्प द्वारा उसे जागृत किया जाता है।

यही बीज, पहाड़, समुद्र, पृथ्वी और नदियों से मुक्त संसार रूपी वृक्ष उत्पन्न करता है। यही जगत का उत्पादक है। सत्, असत् एवं सदसत् आदि मन के संकल्प हैं। मन ही लघु को विभु और विभु को लघु में परिवर्तित करता रहता है। मन में सृजन की अपार संभावनाएं स्वयं द्वारा ही निर्मित की हुई हैं। मन स्वयं ही स्वतंत्रतापूर्वक शरीर की रचना करता है। देहभाव को धारण करके वह जगत् रूपी इंद्रजाल बुनता है। इस निर्माण प्रक्रिया में मन का महत्वपूर्ण योगदान है। मन का चिंतन ही उसका परिणाम है। यह जैसा सोचता है और प्रयत्न करता है, वैसा ही उसका फल मिलता है। मन के चिंतन पर ही संसार के सभी पदार्थों का स्वरूप निर्भर करता है। दृढ़ निश्चयी मन का संकल्प बड़ा बलवान होता है। वह जिन विचारों में स्थिर हो जाता है, परिस्थितियां वैसी ही विनिर्मित होने लगती हैं। जैसा हमारा विचार होता है, वैसा ही हमारा जगत् ।

# स्मृति शेषः लोहिया को कभी नहीं भूल पाए नेताजी

मुकुंद

अब समाजवादी पार्टी के संस्थापक, पूर्व केंद्रीयमंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव उर्फ नेताजी की यादें ही शेष हैं। वयोवृद्ध नेताजी मेंदाता अस्पताल गुरुग्राम में सोमवार को बीमारी से हार गए। मुलायम के साथ समाजवाद का ताना-बाना भी खामोश हो गया। प्रखर समाजवादी चिंतक और विचारक डॉ. राममनोहर लोहिया ने एक बार कहा था- देश का अगला नेतृत्व ग्रामीण परिवेश का होगा। आज देश को मुलायम सिंह जैसे जुझारू, संकल्प के धनी और कर्मठ नेतृत्व की आवश्यकता है। मुलायम सिंह ताउम्र समाजवादी रहे। वह अपने राजनीतिक स्वप्नदृष्ट लोहिया को कभी नहीं भूल पाए।

छोटे लोहिया के नाम से प्रसिद्ध पूर्व केंद्रीयमंत्री जनेश्वर मिश्र तो अपने जीवनकाल में यह बात गाहे-बगाहे दोहराते रहे कि लोहिया के बाद मुलायम ही ऐसे नेता हैं जिन्हें जनता के दुखदर्द की समझ है। वे गांव की समस्याओं और गरीबों की पीड़ा के कारणों को जानते हैं। उनके निदान के लिए बेचैन भी रहते हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति से देश के फलक पर चमकने वाले इस नेता पर कभी जननायक कर्पूरी ठाकुर ने टिप्पणी की थी-मुलायम सिंह ने उत्तर प्रदेश में कभी समाजवाद की आंच और अलख को धीमा पड़ने नही दिया। वे संघर्ष के बल पर नेता बने हैं। उनके महत्व को हम लोग समझते हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने तो यहां तक कहा था कि मुलायम सिंह से सभी नेताओं को संघर्ष और संगठन चलाने की सीख लेनी चाहिए। मुझे स्वीकारने में जरा भी हिचक नहीं है कि मुलायम ही मेरा उत्तराधिकारी है जो किसानों, गरीबों, और वंचितों की बात करता है, उनके लिए लड़ता है। आज नेताजी के निधन से जो शून्य भारतीय राजनीति में उभरा है, उसे भरा जाना बहुत मुश्किल है। यह भी कि नेताजी नहीं हैं तो उनके कृतित्व और व्यक्तित्व के सभी पक्षों बहुत सारी चर्चा होगी। मगर उनका समाजवादी पक्ष इन बहसों में सबसे ऊपर रहेगा। यह सच है कि समाजवाद एक व्यापक और बहुआयामी अवधारणा है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में समाजवाद स्वर्णिम स्वप्न रहा है। इसे डॉ. लोहिया ने स्वतंत्रता के बाद सिद्धांत के रूप में निरूपित किया। कोई यकीन करे या न करे मुलायम सिंह ने

**डॉ. लोहिया ने 1955 में समाजवादी युवक सभा के पुरी सम्मेलन में युवाओं को संबोधित करते हुए समानता, अहिंसा, विकेंद्रीकरण, लोकतंत्र एवं समाजवाद को भारत की राजनीति का अभीष्ट ध्येय बतलाया था। लोहिया के अनुयायी मुलायम सिंह यादव ने अपनी पार्टी के संविधान में उनकी भावनाओं को सबसे ऊपर रखा । लोहिया के 'समानता, अहिंसा, विकेंद्रीकरण, लोकतंत्र और समाजवाद के पांचों लक्ष्यों को समाजवादी पार्टी के संविधान की धारा-2 में यथावत अंगीकृत कर यह कोशिश की कि समाजवाद सत्ता प्रतिष्ठान की फैलाई गई मरीचिका में खो न जाए।**

समाजवाद के परचम को और अधिक जनोन्मुखी और व्यवहारिक बनाते हुए डॉ. लोहिया के महाप्रयाण (12 अक्टूबर, 1967) के पश्चात पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाया।

मुलायम सिंह यादव ने 'बाजारीकरण', 'उदारीकरण' और 'वैश्विकरण' के दौर में भी समाजवाद की लौ की चमक को धुंधलकों से बचाए रखा। कार्ल मार्क्स के निर्गुण विचारों (साम्यवाद) को युग अनुरूप सामयिक बनाकर ब्लादिमिर इलयिच उल्यानोफ (लेनिन) ने सगुण आधार और ठोस कार्ययोजना में परिमार्जित करते हुए दुनिया के पटल विशेषकर रूस में स्थापित किया। मार्क्स-लेनिन व साम्यवाद'' की इसी सादृश्यता को 'लोहिया-मुलायम व समाजवाद'' के परिप्रेक्ष्य में देखने की जरूरत है।

मुलायम सिंह ने नवंबर 1992 में अपनी पार्टी का गठन किया तो उसका नाम 'समाजवादी पार्टी'' रखा। इसके संविधान की धारा-2 में स्पष्ट शब्दों में लिखा है- समाजवादी पार्टी की भारत के संविधान में सच्ची निष्ठा और श्रद्धा है। महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाजवादी पार्टी लोकतंत्र, धर्म निरपेक्षता और समाजवाद में आस्था रखेगी। समाजवादी पार्टी का विश्वास ऐसी राज व्यवस्था में है, जिसमें आर्थिक एवं राजनीतिक सत्ता का विकेंद्रीकरण निश्चित रूप से हो। पार्टी शांतिमय और लोकतांत्रिक तरीकों से विरोध प्रकट करने के अधिकार को मान्यता प्रदान करती है। इसमें सत्याग्रह और शांतिपूर्ण विरोध शामिल है। धर्म पर आधारित राज्य की अवधारणा का समाजवादी पार्टी विरोध करती है। धर्म पर आधारित राज्य में आस्था रखने वाले किसी भी संगठन का कोई भी सदस्य समाजवादी पार्टी का सदस्य नहीं हो सकेगा। महिलाओं, दलितों, अल्पसंख्यकों एवं पिछड़ों के लिए विशेष अवसर के सिद्धांत में समाजवादी पार्टी का विश्वास है। समतापूर्ण समाज की स्थापना के लिए पार्टी इसे जरूरी समझती है। समाजवादी पार्टी विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा तथा उसमें सन्निहित समाजवाद, धर्म निरपेक्षता एवं प्रजातंत्र के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहेगी। समाजवादी पार्टी भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखेगी।

डॉ. लोहिया ने 1955 में समाजवादी युवक सभा के पुरी सम्मेलन में युवाओं को संबोधित करते हुए समानता, अहिंसा, विकेंद्रीकरण, लोकतंत्र एवं समाजवाद को भारत की राजनीति का अभीष्ट ध्येय बतलाया था। लोहिया के अनुयायी मुलायम सिंह यादव ने अपनी पार्टी के संविधान में उनकी भावनाओं को सबसे ऊपर रखा। लोहिया के 'समानता, अहिंसा, विकेंद्रीकरण, लोकतंत्र और समाजवाद के पांचों लक्ष्यों को समाजवादी पार्टी के संविधान की धारा-2 में यथावत अंगीकृत कर यह कोशिश की कि समाजवाद सत्ता प्रतिष्ठान की फैलाई गई मरीचिका में खो न जाए।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

## विचार मंथन

# अस्तित्व से लड़ रही सुप्रीम कोर्ट कैसे करेगी संवैधानिक अधिकारों की रक्षा

सनत जैन

लगता है, सुप्रीम कोर्ट के जज अपने ही अस्तित्व को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में सुप्रीम कोर्ट के जजों के बीच सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली को लेकर सवालिया निशान सुप्रीम कोर्ट के जजों ने ही लगाए हैं। 4 जजों ने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की कार्यप्रणाली को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उसके बाद से सुप्रीम कोर्ट के जजों के सामने सरकार के दबाव में अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली में स्पष्ट रूप से सरकार का प्रभाव, सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली एवं निर्णयों में दिखने लगा है। कॉलेजियम को लेकर सुप्रीम कोर्ट पर हमेशा सरकार दबाव बनाती है। केंद्र सरकार चाहती है कि हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की जजों की नियुक्ति का अधिकार उसके पास हो। कॉलेजियम उन्हीं नामों की अनुशंसा करे, जिन नामों की अनुशंसा सरकार करती है।

आपातकाल के बाद से वर्तमान सत्तारूढ़ राजनीतिक दल, न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लेकरजो कहता था। वर्तमान में ठीक उसके विपरीत कार्य कर रहा है। जिसके कारण सुप्रीमकोर्ट और हाई कोर्ट के सामने सरकारी दबाव बना हुआ है। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीश सरकार के दबाव में लगते है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठता क्रम में सबसे सीनियर जज डीवाई चंद्रचूड़ की नियुक्ति मुख्य न्यायाधीश के पद पर संभावित है। अनुशंसा होने के पूर्व उनके खिलाफ राष्ट्रपति को एक शिकायत की गई है। यह शिकायत तब की गई है, जब वर्तमान मुख्य न्यायाधीश को सुप्रीम कोर्ट के अगले न्यायाधीश के रूप में अनुशंसा करनी थी। वरिष्ठता क्रम के हिसाब से डीवाई चंद्रचूड़ का नाम प्रस्तावित कर दिया है। उनका कार्यकाल लगभग 2 साल का है। मुख्य न्यायाधीश की अनुशंसा के बाद सरकार को इस बारे में अंतिम फैसला करना है। राष्ट्रपति को राशिद खान पठान ने जो

शिकायत की है। माना जा रहा है, कि एक साजिश के तहत यह शिकायत जानबूझकर कराई गई है।

इसकी जानकारी मिलते ही सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने राष्ट्रपति को लिखे गए पत्र को दुर्भावनापूर्ण और निराधार बताया है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने इस शिकायत की कड़ी निंदा की है। शिकायत करने वाले पर कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है। जिस तरह से डीवाई चंद्रचूड़ को निशाने पर लिया गया है उससे लगता है कि वर्तमान मुख्य न्यायाधीश यूएस ललित द्वारा जो अनुशंसा की गई है सरकार उसको मान ले। सुप्रीम कोर्ट के कामकाज को लेकर जिस तरह से सरकार का हस्तक्षेप बढ़ा है उसके बाद इस तरीके की आशंकाएं भी समय-समय पर देखने को मिल रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के खिलाफ एक महिला ने यौन उत्पीड़न के मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। उस पर काफी हंगामा हुआ। सरकारी स्तर पर भी इसकी प्रतिक्रिया हुई। कुछ समय बाद रंजन गोगोई को क्लीन चिट मिल गई। जिस महिला ने शिकायत की थी। उसकी बहाली सुप्रीम कोर्ट में फिर से हो गई। 17 नवंबर 2019 को रंजन गोगोई ने रिटायर होने के पहले जो भी फैसले दिए। वह सभी विवादास्पद फैसले के रूप में जाने जाते हैं। सरकार ने रंजन गोगोई को राज्यसभा मैं भेज दिया। रंजन गोगोई को क्लीन चिट देने वाले जज मुख्य न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत हो गए।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की न्यायपालिका में एक अच्छी छबि है। निर्भीक होकर निर्णय देने के लिए उन्हें जाना जाता है। वरिष्ठता क्रम से यदि वह मुख्य न्यायाधीश बनते हैं। तो 2 साल का लंबा कार्यकाल होगा। राशिद खान पठान द्वारा राष्ट्रपति को जो शिकायत की गई है। उसे एक साजिश माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। देश भर में न्यायपालिका को लेकर एक नई चर्चा शुरू हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जजों को महाभियोग लाकर ही संसद द्वारा हटाया जा सकता है। अब ऐसा लग रहा है, कि जांच एजेंसियों का दखल भी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों के खिलाफ शिकायत और जांच के लिए अप्रत्यक्ष रूप से उपयोग किया जा रहा है। जिसके कारण सभी हाईकोर्ट के जज और सुप्रीम कोर्ट के जजों में एक अज्ञात भय देखने को मिलता है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरीके से कॉलेजियम की सिफारिशों को सरकार ने अनदेखा किया है। उससे भी जज दबाव में हैं। सरकार जिन न्यायाधीशों से खुश होती है। उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद अच्छे पदों पर नवाजने के कारण भी, सरकार का प्रभाव सुप्रीम कोर्ट एवं हाईकोर्ट में दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। आम आदमी में यह धारणा बनने लगी है, कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज खुद अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हों,ऐसे में वह लोकतंत्र, संवैधानिक अधिकारों, और नागरिकों के मूलभूत अधिकारों को किस तरह से संरक्षित करा पाएंगे। कई मामलों में जब हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज यह कहते हैं, कि आदेशों का क्रियान्वयन सरकार को करना होता है। सरकार उनके आदेशों का पालन नहीं करा रही है। यह कहकर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट अपनी बेबसी को दर्शाते हैं। जिसके कारण आम आदमी का मनोबल न्यायपालिका के प्रति कमजोर पड़ने लगा है।

## हिमस्खलन

# हिमालय की संवेदनशीलता समझनी होगी

सुरेश भाई

मनुष्य को प्रकृति के अनुरूप व्यवहार करना पड़ेगा यदि वह प्रकृति पर विजय व फतह करने जैसी घमंडी हरकतों पर उतर आएगा तो ईश्वर द्वारा भेंट की गई प्रकृति से उसे जल्दी ही हाथ धोना पड़ सकता है।

यह वाकया इसलिए महत्वपूर्ण है कि उत्तराखंड में अभी भारी बारिश पूरी ही नहीं हुई कि अक्टूबर के प्रारंभ तक बीते सप्ताह भर में हिमाच्छादित पर्वतों से चार बार हिमस्खलन की घटनाएं सामने आई है। इसमें से एक बहुत दर्दनाक और बेचैन करने वाला हादसा सामने आया है कि नेहरू पर्वतारोहण संस्थान उत्तरकाशी के 58 प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थी 4 अक्टूबर को लगभग 5700 मीटर की ऊंचाई पर स्थित द्रौपदी का डंडा-2 पर्वत चोटी के बेस कैंप में 25 सितम्बर को पहुंच गए थे जहां पर एडवांस और बेसिक कोर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा था, जिसमें हिमाचल, उत्तराखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, असम, हरियाणा, तेलंगना, गुजरात, उत्तर प्रदेश आदि के प्रशिक्षार्थी और प्रशिक्षक मौजूद थे। 4 अक्टूबर की सुबह को पर्वतारोहण के दौरान हिमस्खलन होने से 29 लोग लापता हो गए। खराब मौसम के चलते केंद्र और राज्य सरकार की कड़ी मशक्कत के बाद शव निकाले जा सके। क्योंकि यह स्थान इतनी ऊंचाई पर है कि वहां हर क्षण मौसम करवट लेता रहता है। तीव्र ढलान वाले पर्वतों से बर्फ गिरती रहती है। चारों ओर भयानक बर्फीला तूफान आता है, जिसके कारण उसके ऊपर से गुजरने वाले लोगों का जीवन कभी भी संकट में पड़ सकता है। इसी तरह की जोखिम उठाते वहां गए पर्वतारोहियों ने अपना जीवन हमेशा के लिए स्वाहा कर दिया है। इसमें देशभर के राज्यों से आए राष्ट्रीय कैडेट कोर, पुलिस तथा सेना से संबंधित जवान और ऐसे युवा जिन्हें अभी देश की सेवा के लिए आगे काम करना था। उनकी इस असमय मौत से पूरा देश दुखी है। बताया जाता है कि पर्वतारोहण प्रशिक्षण के दौरान इस तरह की बड़ी दुर्घटना पहले नहीं हुई थी। देश में उत्तरकाशी के अलावा गुलमर्ग, दार्जिलिंग, डोरांग, मनाली में भी ऐसे सरकारी

पर्वतारोहण संस्थान हैं, जहां युवाओं को बेसिक, एडवांस, मैथड ऑफ इंस्ट्रक्शन, सर्च एंड रेस्क्यू के प्रशिक्षण दिए जाते हैं।

भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि इसमे आवेदन करने वाले प्रशिक्षार्थियों को 2-2 वर्ष बाद भी प्रशिक्षण में भाग लेने का मौका मिलता है। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को पर्वतारोहण से जुड़े आधुनिक तकनीकी, उपकरण और इसके उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया जाता है। द्रोपदी पर्वत पर जब यह घटना घटी तो अनेकों लोगों ने बयान दिए कि हिमालय के पर्वतों को नंदा, त्रिशूल, कैलाश, चौखंबा, सागरमाथा, गौमुख, आदि ऐसे नामों से पुकारा जाता है, जिसके सामने नतमस्तक होकर ही मनुष्य को पर्वतों को जीतने का प्रलोभन त्याग देना चाहिए। बदलती जलवायु के कारण भी हिमालय क्षेत्र के पर्यावरण पर लगातार बदलाव दिखाई दे रहे हैं। जहां कभी भी अनहोनी घटना का सामना करना पड़ सकता है। वैज्ञानिक इस हादसे के बारे में बता रहे हैं कि अगस्त-सितम्बर में हुई भारी बारिश के कारण हिमस्खलन बढ़ा है। अनेकों पर्वत चोटियों पर इस दौरान भारी हिमपात भी हुआ है।

सीधे और तीव्र ढलान वाले हिमाच्छादित पर्वतों की चोटियों को पार करना जोखिम भरा हो सकता है। इसके बावजूद हिमालय की ऊंचाई तक पहुंचने की साहसिक प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवा अपने जीवन की उतनी परवाह नहीं करते हैं, जितनी कि उन्हें चोटी पर चढ़कर फतह हासिल करने की तमन्ना मन में रहती है। देश में हिमस्खलन की पहले भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिसमें अनेक लोगों ने जान गंवाई है। 6 मार्च 1979 और 5 मार्च 1988 को जम्मू कश्मीर में 307 लोग हिमस्खलन की चपेट में आकर मर गए थे। 3 सितम्बर 1995 को हिमाचल प्रदेश में ग्लेशियर टूटने से नदी में बाढ़ जैसी स्थिति आ गई थी, जिससे भारी नुकसान हुआ है। 2 फरवरी 2005 को फिर जम्मू-कश्मीर में ही 278 लोगों की मौत हुई है। इसी तरह फरवरी 2016 को सियाचिन क्षेत्र में हिमस्खलन से 10 सैनिकों की मौत का आंकड़ा सामने आया था।

2019 में नंदा देवी आरोहण के दौरान भी सात पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी। वर्ष 2017 में नंदा देवी अभियान में आईटीबीपी के 7 जवान लापता हुए थे। 2019 में भी मुनस्यारी से नंदा देवी ईस्ट आरोहण के लिए निकले विदेशी पर्वतारोहियों का एक दल हिमस्खलन की चपेट में आए थे, जिनके शव बहुत देर में बरामद किए जा सके। 17 फरवरी 2021 को चमोली जिले के रैणी गांव के ऊपर ग्लेशियर टूटने से 206 लोग मारे गए थे। हिमालय में यह सिलसिला थमने वाला नहीं है। अत- केदारनाथ क्षेत्र में इस दौरान तीन बार हिमस्खलन की घटना ने वैज्ञानिकों की चिंताएं बढ़ा दी है। हिमालय की संवेदनशीलता को अब बार-बार नहीं भुलाया जा सकता है। यहां जाने वाले पर्वतारोहियों, पर्यटकों को समझना पड़ेगा और उनको जलवायु अनुकूल एक्शन प्लान बनाना होगा। पर्वतारोहण संस्थान को भी अपने युवाओं के प्रशिक्षण के लिए कम खतरे वाले पर्वत श्रेणियों की पहचान करनी होगी, जहां उन्हें अनुकूल माहौल मिले वरना लोग पर्वतों को जीतने के नाम पर यूं ही जान गंवाते रहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## बाजार में तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 844 अंक टूटा, निफ्टी 17,000 से नीचे फिसला

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स करीब 844 अंक टूटकर बंद हुआ। कमजोर वैश्विक रुख और विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 843.79 अंक यानी 1.46 प्रतिशत लुढ़ककर 57,147.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 940.71 अंक तक नीचे चला गया था।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 257.45 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 16,983.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से इंडसइंड बैंक, नेस्ले इंडिया, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, डॉ. रेड्डीज, टाइटन और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक और एशियन पेंट्स लाभ में रहे। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट का रुख था।

अमेरिकी बाजार सोमवार को नुकसान में रहा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर जारी संकट के कारण उत्पन्न उठा-पटक को देखते हुए निवेशक जोखिम लेने से बच रहे हैं। साथ ही वे आर्थिक नरमी को लेकर भी चिंतित हैं। निवेशक मुद्रास्फीति के आंकड़े जारी होने से पहले भी सतर्क हैं। इससे आईटी कंपनियों के बेहतर परिणाम आने शुरू होने का बाजार पर सकारात्मक असर दिखाई नहीं दिया।'' उन्होंने कहा कि हालांकि दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों की तुलना में, घरेलू बाजार में बिक्री आक्रामक नहीं है। एफआईआई जो बिकवाली कर रहे हैं, उसकी भरपाई काफी हद तक घरेलू संस्थागत निवेशक कर रहे हैं।'' इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 2.59 प्रतिशत घटकर 93.70 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध रूप से 2,139.02 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे।

## पावर ग्रिड ने पारेषण परियोजना के निर्माण के लिए विशेष इकाई का अधिग्रहण किया

मुंबई । सार्वजनिक क्षेत्र की पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने एक विशेष इकाई (एसपीवी) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। पावर ग्रिड ने यह अधिग्रहण पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए एक अंतर-राज्यीय पारेषण परियोजना के निर्माण के लिए किया है। इस एसपीवी का 7.04 करोड़ रुपये के कुल मूल्य पर अधिग्रहण किया गया है। इसमें 10 रुपये प्रति शेयर के आधार पर 50,000 शेयर और संपत्तियों के साथ देनदारियों का लेनदेन शामिल है। कंपनी ने बताया कि अधिग्रहण मूल्य कंपनी के अंकेक्षित खातों के अनुसार समायोजन के अधीन है। कंपनी ने कहा, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 10 अक्टूबर, 2022 को ईआर एनईआर ट्रांसमिशन लिमिटेड (ईटीएल) का अधिग्रहण कर लिया। इस इकाई का गठन पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए प्रणाली सुदृढ़ीकरण योजना को लेकर अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली स्थापित करने के लिए किया गया है।''

## भारतीय विमानन बाजार पिछले कुछ माह में तेजी से सुधर रहा: आईएटीए

नई दिल्ली । वैश्विक एयरलाईन कंपनियों के समूह आईएटीए ने कहा कि भारत एशिया-प्रशांत क्षेत्र के साथ ही बाकी दुनिया के लिए भी महत्वपूर्ण विमानन बाजार है, यहां पर हवाई यात्रा की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। कोरोना के दौरान बुरी तरह प्रभावित रहा भारतीय विमानन बाजार पिछले कुछ माह में तेजी से सुधर रहा हैं और यह कोरोना पूर्व के स्तर के करीब पहुंचता दिख रहा है। इस दौरान विमानन कंपनियों ने भी अपने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के अलावा अधिक मार्गों पर उड़ानों का परिचालन शुरू कर दिया है। गत नौ अक्टूबर को भारत में दैनिक हवाई यात्रियों की संख्या चार लाख पर पहुंच गई जो कि महामारी आने से पहले के आंकड़े के करीब है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस एक शानदार संकेत बताया है।

अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के उपाध्यक्ष फिलिप गोह ने कहा कि भारतीय बाजार काफी अहम है और दुनिया के कुछ हिस्सों में पहले से ही व्यापक योगदान दे रहा है। गोह ने कहा, मुझे दिख रहा है कि कई विमानन कंपनियां भारत के लिए अपने नेटवर्क की शुरुआत, विस्तार या बहाली कर रही हैं। निश्चित रूप से यह इस क्षेत्र और बाकी दुनिया के लिए भी एक प्रमुख बाजार है।''

बात दें कि आईएटीए दुनियाभर में संचालित होने वाली करीब 290 विमानन कंपनियों का एक वैश्विक संगठन है। भारत की घरेलू एयरलाइंस भी इसकी सदस्य हैं। एक दिन पहले ही नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि भारतीय विमानन क्षेत्र पूर्ण पुनरुद्धार की राह पर अग्रसर है। इस बीच, रेटिंग एजेंसी इक्रा ने रिपोर्ट में कहा कि सितंबर में भारत में घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या करीब 1.03 करोड़ तक रहने का अनुमान है। इसके पहले अगस्त में यह संख्या 1.01 करोड़ थी।

## आईएआरआई के निदेशक ने कहा- मौजूदा बारिश पहले बोई गई फसलों के लिए हानिकारक

मुंबई। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के निदेशक ए के सिंह ने सोमवार को कहा कि देश के कई हिस्सों में खरीफ की फसल धान की कटाई हो रही है लेकिन ज्यादातर राज्यों में लगातार हो रही बारिश फसल के लिए अच्छी नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार और पूर्वी राज्यों के साथ-साथ आंध्र प्रदेश जैसे कुछ दक्षिणी राज्यों में देर से बुवाई वाली और लंबी अवधि (155-156 दिन) की धान की किस्मों के लिए यह बारिश अच्छी है। मौसम विभाग ने अक्टूबर माह में भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान लगाया है। हरियाणा, पंजाब, बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे धान उत्पादक राज्यों के कई हिस्सों में पिछले दो दिनों में भारी बारिश हुई है। अभी मुख्य खरीफ (गर्मी) फसल धान की कटाई चल रही है। खरीफ मौसम में देश में चावल का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पादन होता है। सिंह ने पीटीआई-को बताया कि इस समय में इन फसलों के लिए बारिश अच्छी नहीं होती है। धान की शुरुआती किस्में जो 125 दिनों में पक जाती हैं, वे इस भीषण बारिश में खराब हो जाएंगी क्योंकि ये फसलें अब पक चुकी हैं और इनमें से कुछ की पहले ही कटाई की जा चुकी है। सिंह ने कहा कि वर्तमान में देर से बोई जाने वाली धान की कई किस्में अनाज आने की अवस्था में हैं। इस समय बारिश के बाद हवा चलने से फसलों को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि पंजाब में जल्दी बुवाई किस्मों का रकबा लगभग 10-15 प्रतिशत है। राज्य में कई शुरुआती किस्में जैसे पीआर126 और बासमती चावल की किस्मों- 1509 और 1692 की कटाई की जाती है। वहीं कुछ फसलें पहले ही कट चुकी हैं और कुछ खेतों या मंडियों में पड़ी है। हालांकि इस समय पर्याप्त अध्ययन के बिना नुकसान का पता लगाना मुश्किल है। आईएआरआई के निदेशक के अनुसार, हालांकि ये बारिश पूर्वी भारत के लिए अच्छा संकेत है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में जहां धान की देर से बुवाई होती है। इन किस्मों की खेती लगभग 30-40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में की जाती है।

## पावर ग्रिड ने पारेषण परियोजना के निर्माण के लिए विशेष इकाई का अधिग्रहण किया

मुंबई । सार्वजनिक क्षेत्र की पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने एक विशेष इकाई (एसपीवी) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। पावर ग्रिड ने यह अधिग्रहण पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए एक अंतर-राज्यीय पारेषण परियोजना के निर्माण के लिए किया है। इस एसपीवी का 7.04 करोड़ रुपये के कुल मूल्य पर अधिग्रहण किया गया है। इसमें 10 रुपये प्रति शेयर के आधार पर 50,000 शेयर और संपत्तियों के साथ देनदारियों का लेनदेन शामिल है। कंपनी ने बताया कि अधिग्रहण मूल्य कंपनी के अंकेक्षित खातों के अनुसार समायोजन के अधीन है। कंपनी ने कहा, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 10 अक्टूबर, 2022 को ईआर एनईआर ट्रांसमिशन लिमिटेड (ईटीएल) का अधिग्रहण कर लिया। इस इकाई का गठन पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों के लिए प्रणाली सुदृढ़ीकरण योजना को लेकर अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली स्थापित करने के लिए किया गया है।''

# ई-कॉमर्स मंचों की त्योहारी बिक्री में छोटे शहरों का रहा बड़ा योगदान

**मुंबई। (एजेंसी)।**

ई-कॉमर्स मंचों की हाल की त्योहारी सीजन की बिक्री में छोटे शहरों का दबदबा रहा। इन शहरों से लगभग 24,000 करोड़ रुपये की खरीदारी हुई, जो मूल्य के लिहाज से कुल बाजार हिस्सेदारी का लगभग 60 प्रतिशत है। ये आंकड़े दरअसल हाल ही में हुई त्योहारी 'सेल' के हैं, जिसमें ई-कॉमर्स कंपनियों ने विभिन्न उत्पादों पर महत्वपूर्ण छूट की पेशकश की थी। सलाहकार कंपनी रेडसीर स्ट्रैटजी के अनुसार, ई-कॉमर्स कंपनियों की पिछले साल हुई त्योहारी सीजन की बिक्री में मूल्य के लिहाज से लगभग 50 प्रतिशत योगदान के साथ दूसरी श्रेणी और उससे अगली श्रेणी के शहरों का योगदान महानगरों और पहली श्रेणी के शहरों के बराबर था।

सलाहकार कंपनी के अनुसार, ई-कॉमर्स कंपनियों की त्योहारी बिक्री 27 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 40,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। फ्लिपकार्ट, अमेजन, मीशो और जियोमार्ट जैसी प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों की 30 सितंबर को समाप्त हुई त्योहारी सीजन की बिक्री के दौरान 60 प्रतिशत से ज्यादा ग्राहक दूसरी और आगे की श्रेणी के शहरों के थे। मीशो के कारोबार अधिकारी उत्कर्ष कुमार ने कहा, ''मीशो की मूल्य पेशकश ने हमें दूसरी श्रेणी के बाजारों में बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाया है और हमने देखा कि त्योहारी सीजन के दौरान भी यह जारी रहा।''

उन्होंने कहा, ''पांच दिन की त्योहारी बिक्री के दौरान लगभग 60 प्रतिशत ऑर्डर चौथी श्रेणी के बाजारों से प्राप्त हुए।'' जियोमार्ट के एक अधिकारी ने पीटीआई-से कहा कि मंच ने दूसरी श्रेणी और उसके बाद के शहरों से 60 प्रतिशत बिक्री दर्ज की है। उन्होंने कहा, ''महानगरों में प्रतिक्रिया अच्छी रही है। हालांकि, गैर-महानगर क्षेत्रों के छोटे शहरों और कस्बों में इस सीजन में बिक्री बढ़ रही है। हमारी 60 प्रतिशत से अधिक बिक्री दूसरी श्रेणी और उसके बाद के शहरों में हुई है।'' रेडसीर के अनुसार, त्योहारी सीजन की बिक्री के पहले सप्ताह के दौरान प्रति खरीदार औसत खर्च में लगभग तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई है और यह वृद्धि नए उपयोगकर्ताओं द्वारा संचालित थी।

फ्लिपकार्ट ने कहा कि दूसरी श्रेणी और उससे आगे के शहरों के ग्राहकों को लुभाने के लिए उसने 15 करोड़ से अधिकव्हॉट्सएप संदेश भेजे हैं। अमेजन के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल (जीआईएफ) के पहले दो हफ्तों में करीब 75 प्रतिशत ने अमेजन इंडिया पर खरीदारी की। प्रवक्ता ने कहा, ''त्योहारी बिक्री के पहले दो सप्ताह के दौरान कुल नए ग्राहकों में से 85 प्रतिशत से अधिक ग्राहक दूसरे और तीसरे श्रेणी शहरों से रहे।

## सेबी ने बेहतर बोली आधार पर प्रतिभूतियों के आवंटन के लिये नया दिशानिर्देश जारी किया

**नई दिल्ली।** बाजार नियामक सेबी ने सोमवार को निजी नियोजन आधार पर बॉन्ड जारी किये जाने के लिये कीमत निर्धारण की 'इलेक्ट्रॉनिक बुक बिल्डिंग' प्रक्रिया में बदलाव किया। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिभूतियों का आवंटन बेहतर बोली पर हो न कि बेहतर प्रौद्योगिकी से युक्त बोलीदाता के तेजी से बोली लगाने के आधार पर। इसके अलावा, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड नेएंकर निवेश धारणा को एक विकल्प के रूप में पेश किया है, ताकि निर्गम जारी करने वाले मांग का आकलन कर सकें और कुछ संभावित निवेशकों से बोली को लेकर आश्वासन प्राप्त कर सकें। सेबी के परिपत्र के अनुसार साथ ही, मौजूदा 'इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रोवाइडर' (ईबीपी) के लिये रूपरेखा में भी संशोधन किया गया है। इसमें 'एरेंजर' यानी सेबी के पास पंजीकृत मर्चेन्ट बैंकर के लिये बोली सीमा और चूक की स्थिति में जुर्माना आदि शामिल हैं। ऐसी रिपोर्ट थी कि अत्याधुनिक तकनीक के आधार पर काम करने वाले कुछ कारोबारी विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग कर बॉन्ड के लिये बोली मामले में बॉन्ड हाउस, संपत्ति प्रबंधकों और बीमाकर्ताओं जैसे परंपरागत निवेशकों को पीछे छोड़ रहे हैं। सेबी ने कहा, ''तेजी से बोली लगाकर सफल बोलीदाता बनने को लेकर चिंता दूर करने के लिये, 'बुक बिल्डिंग' प्रक्रिया में संशोधन जरूरी है ताकि यह सुनश्चित हो कि आवंटन बेहतर बोली के जरिये हो न कि अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से युक्त तेजी से बोली लगाने के आधार पर।''

# लेखा परीक्षण व्यवस्था से नागरिकों को सबसे ज्यादा लाभ: कैग मुर्मू

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।**

अक्टूबर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) गिरीश चंद्र मुर्मू ने सोमवार को कहा कि लेखा परीक्षा (ऑडिट) की संचालन व्यवस्था तथा दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारों में पारदर्शिता से नागरिक मुख्य लाभार्थी रहे हैं। उन्होंने ब्रिक्स देशों के सर्वोच्च ऑडिट संस्थानों (एसएआई) के तीसरे सम्मेलन के उद्घाटन के बाद यह बात कही। सम्मेलन का विषय 'सार्वजनिक क्षेत्र के ऑडिट में नागरिकों की भागीदारी' था। आधिकारिक बयान के अनुसार, मुर्मू ने कहा कि जवाबदेही का जो जिम्मा होता है, उसे निभाने की अपनी व्यवस्था होती है।

सर्वोच्च ऑडिट संस्थानों को भरोसा और विश्वनीयता बनाने के लिये बाहरी संबद्ध पक्षों को शामिल करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हालांकि, एसएआई को अन्य सूचना स्रोतों के साथ नागरिकों और नागरिक समाज के संगठनों की तरफ से प्रदान की गई जानकारी का परीक्षण करने की जरूरत है। साथ ही निष्पक्षता तथा गुणवत्ता को लेकर ऑडिट से जुड़े दल के संचालन वातावरण की समझ का भी परीक्षण करने की आवश्यकता है। कैग ने कहा कि साथ ही पारदर्शिता के हित में एसएआई को ऑडिट में नागरिक समाज की भागीदारी के स्तर का भी खुलासा करने की जरूरत है। मुर्मू ने कहा, ''दुनियाभर के सर्वोच्च ऑडिट संस्थानों ने यह माना है कि उनके कार्यों से नागरिकों को सबसे ज्यादा लाभ होता है और उन्हें विभिन्न स्तरों पर जोड़ा है।'' उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के ऑडिट में नागरिकों का जुड़ाव संस्थानों को संभावित कुप्रबंधन और संचालन के स्तर पर अक्षमताओं के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने में मार्गदर्शन कर सकता है। इससे हमारे ऑडिट प्रयास पर ध्यान और प्रभाव में सुधार होगा। बैठक में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के एसएआई ने नयी दिल्ली घोषणा को स्वीकार किया। नयी दिल्ली घोषणापत्र और वित्त वर्ष 2023-24 के लिये तय कार्ययोजना के तहत, ब्रिक्स एसएआई वास्तविक समय पर ऑडिट, बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के ऑडिट, साइबर सुरक्षा और आंकड़ों की सुरक्षा चुनौतियां जैसे विविध विषयों पर सेमिनार / वेबिनार आयोजित करेंगे।

## हाइब्रिड ईवी पर टोयोटा की पायलट परियोजना शुरू, पूरी तरह एथेनॉल से चलेगी गाड़ी

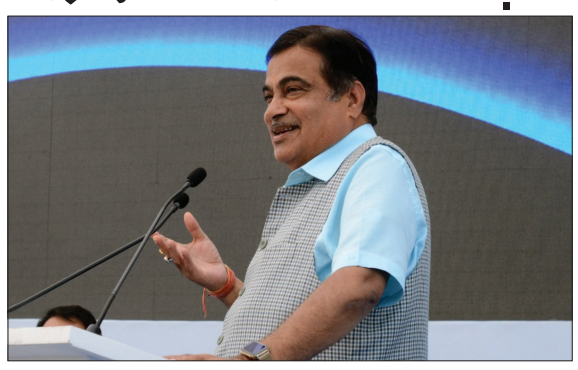

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।**

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन पर जापान की वाहन कंपनी टोयोटा की पायलट परियोजना का शुभारंभ किया। इस पायलट परियोजना के तहत गाड़ी पूरी तरह से वैकल्पिक ईंधन 'एथनॉल' से चल सकती है। परियोजना की शुरूआत करते समय टोयोटा कोरोला एल्टिस एफएफवी-एसएचईवी का अनावरण किया गया, जिसे पायलट परियोजना के लिए टोयोटा ब्राजील से आयात किया गया है।

एफएफवी-एसएचईवी ऐसे मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों को कहते हैं, जो एक से अधिक प्रकार के ईंधन से चलते हैं। इस मौके पर गडकरी ने कहा कि भारत में प्रदूषण एक बड़ी चिंता हैं और परिवहन क्षेत्र प्रदूषण में योगदान देता है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, एथनॉल और मेथनॉल जैसे जैविक ईंधन से भी चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने की जरूरत है।'' इस दौरान गडकरी के अलावा केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडे, भूपिंदर यादव और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। टोयोटा ब्राजील ने एफएफवी-एसएचईवी प्रौद्योगिकी की पेशकश की है। इसमें एक फ्लेक्स-ईंधन इंजन और एक इलेक्ट्रिक पावरट्रेन है। इसमें अधिक एथनॉल मिश्रण वाले ईंधन का उपयोग किया जा सकता है और इसकी ईंधन दक्षता भी अधिक होती है।

## सोने, चांदी में गिरावट

**नई दिल्ली।** अंतराष्ट्रीय बाजार में मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को सोना 343 रुपये नीचे आकर 51,105 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 51,448 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था जबकि चांदी 1,071 रुपये टूटकर 58,652 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। यह पिछले कारोबारी सत्र में 59,723 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,664.3 डॉलर प्रति औंस जबकि चांदी 19.34 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

## आईएमएफ ने भारत के लिए बजाई खतरे की घंटी, जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटाकर 6.8प्र. किया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को 2022 में भारत के आर्थिक विकास के अपने अनुमान को घटाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। आईएमएफ ने जुलाई में अप्रैल 2022 में शुरू हुए वित्तीय वर्ष में भारत के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया था। यहां तक ??कि यह पूर्वानुमान इस साल जनवरी में अनुमानित 8.2 प्रतिशत से भी कम था। भारत 2021-22 के वित्तीय वर्ष (अप्रैल 2021 से मार्च 2022) में 8.7 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। 11 अक्टूबर को जारी अपनी वार्षिक विश्व आर्थिक आउटलुक रिपोर्ट में आईएमएफ ने कहा कि भारत के लिए दृष्टिकोण 2022 में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि है-जुलाई के पूर्वानुमान के बाद से 0.6 प्रतिशत अंक की गिरावट, दूसरी तिमाही में कमजोर-अपेक्षित परिणाम को दर्शाता है। वैश्विक विकास का अनुमान 2021 में 6.0 प्रतिशत से 2022 में 3.2 प्रतिशत और 2023 में 2.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वैश्विक वित्तीय संकट और कोविड-19 महामारी के तीव्र चरण को छोड़कर, यह 2001 के बाद से सबसे कमजोर ग्रोथ प्रोफाइल है। आईएमएफ ने कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को मुद्रास्फीति कड़ी मौद्रिक नीतियों, रूस के यूक्रेन पर आक्रमण और कोविड 19 महामारी सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिक ऊर्जा और खाद्य कीमतों की वजह से मुद्रास्फीति लंबे वक्त तक बनी रह सकती है।

# जेपी की सीमेंट इकाइयों का 5,000 करोड़ रुपये में अधिग्रहण कर सकता है अडाणी समूह

**मुंबई। (एजेंसी)।**

अडाणी समूह कर्ज में फंसे जेपी समूह का सीमेंट कारोबार 5,000 करोड़ रुपये में खरीदने के लिये बातचीत कर रहा है। एशिया के सबसे धनाढ्य उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह ने कुछ समय पहले ही इस क्षेत्र में कदम रखा है। सूत्रों ने कहा कि अडाणी समूह जयप्रकाश एसोसिएट्स के प्रबंधन के साथ बातचीत कर रहा है और यह काफी आगे बढ़ चुकी है। जल्दी ही सौदे की घोषणा की जा सकती है। इस बारे में, अडाणी समूह और जेपी समूह दोनों ने कुछ भी कहने से मना कर दिया।

बंदरगाह से लेकर ऊर्जा कारोबार में शामिल समूह ने हाल ही में अंबुजा सीमेंट और एसीसी लि. का अधिग्रहण कर सीमेंट कारोबार में कदम रखा है। इस अधिग्रहण के साथ कंपनी 6.75 करोड़ टन क्षमता के साथ देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट उत्पादक बन गयी है। जेपी समूह ने अपनी सीमेंट इकाई को अल्ट्राटेकको बेचा था लेकिन कुछ इकाइयां अभी भी समूह की कंपनियों के पास है। जयप्रकाश एसोसिएट्स लि. और जयप्रकाश पावर वेंचर्स लि. ने कर्ज में कमी लाने के इरादे से सोमवार को अपनी सीमेंट इकाइयों के साथ-साथ गैर-प्रमुख संपत्तियों को बेचने की योजना को मंजूरी दे दी।

अगर सौदा पूरा होता है, अडाणी समूह की सीमेंट उत्पादन क्षमता एक करोड़ टन बढ़ जाएगी। उल्लेखनीय है कि अडाणी समूह के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक गौतम अडाणी ने पिछले महीने 2030 तक सीमेंट उत्पादन क्षमता दोगुनी कर 14 करोड़ टन करने का लक्ष्य रखा था। अल्ट्राटेक देश की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। उसकी क्षमता 11.99 करोड़ टन से अधिक है और उसकी क्षमता बढ़ाकर 15.92 करोड़ टन करने की योजना है। जयप्रकाश एसोसिएट्स लि. की कुल क्षमता करीब 60 लाख टन सालाना जबकि जयप्रकाश पावर वेंचर्स की 40 लाख टन सालाना है।

# भारत को स्विट्जरलैंड से अपने नागरिकों के बैंक खातों की चौथे साल जानकारी मिली

**नयी दिल्ली (एजेंसी)।**

भारत को स्विट्जरलैंड के साथ सूचना के स्वतः आदान-प्रदान व्यवस्था के तहत अपने नागरिकों और संगठनों के स्विस बैंक खातों के बारे में लगातार चौथे साल जानकारी मिली है। स्विट्जरलैंड ने भारत समेत 101 देशों के साथ करीब 34 लाख वित्तीय खातों का ब्योरा साझा किया है। अधिकारियों ने कहा कि भारत के साथ सैकड़ों वित्तीय खातों से संबंधित ब्योरा साझा किया गया है। इसमें कुछ लोगों, कंपनियों और न्यासों के खाते शामिल हैं।

हालांकि, उन्होंने सूचना के आदान-प्रदान के तहत गोपनीयता के प्रावधान का हवाला देते हुए विस्तृत जानकारी नहीं दी क्योंकि इसका आगे की जांच पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। अधिकारियों ने कहा कि चोरी के संदिग्ध मामलों और धन शोधन तथा आतंकवाद के वित्तपोषण समेत अन्य गड़बड़ियों की जांच में आंकड़ों का उपयोग किया जा सकेगा। संघीय कर प्रशासन (एफटीए) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इस साल सूचनाओं के आदान-प्रदान से सूची में पांच नये क्षेत्र... अल्बानिया, ब्रुनेई दारुस्सलाम, नाइजीरिया, पेरू और तुर्की...शामिल किये गये हैं। वित्तीय खातों की संख्या में लगभग एक लाख का इजाफा हुआ है।

सूचना का आदान-प्रदान 74 देशों के साथ हुआ। इन देशों से स्विट्जरलैंड को भी सूचना प्राप्त हुई। लेकिन रूस समेत 27 देशों के मामले में कोई सूचना नहीं दी गई है। इसका कारण या तो इन देशों ने अभी तक गोपनीयता और आंकड़ों की सुरक्षा पर अंतरराष्ट्रीय आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया है अथवा उन्होंने आंकड़े प्राप्त नहीं करने का विकल्प चुना है। हालांकि, एफटीए ने 101 देशों के नामों और अन्य जानकारी का खुलासा नहीं किया है।

लेकिन अधिकारियों ने कहा कि भारत उन देशों में प्रमुखता से शामिल है, जिसे लगातार चौथे साल स्विस वित्तीय संस्थानों में व्यक्तियों और संगठनों के खातों के बारे में सूचना दी गयी है। अधिकारियों के अनुसार, सूचना का आदान-प्रदान पिछले महीने हुआ और स्विट्जरलैंड अब अगले साल सितंबर में सूचना साझा करेगा। भारत को सबसे पहले स्विट्जरलैंड से सूचना के स्वतः आदान-प्रदान की व्यवस्था के साथ सितंबर, 2019 में आंकड़े मिले थे। वह उस समय 75 देशों में शामिल था, जिसे सूचना उपलब्ध करायी गयी थी।

पिछले साल, भारत सूचना प्राप्त करने वाले 86 देशों की सूची में शामिल था। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के लिए सूचना के स्वतः आदान-प्रदान की व्यवस्था के तहत प्राप्त आंकड़े उन लोगों के खिलाफ मजबूती से मामला चलाने को उपयोगी रहे हैं, जिनके पास बेहिसाब संपत्ति है। क्योंकि इससे जमा और धन के अंतरण के बारे में पूरा ब्योरा मिल जाता है। साथ ही प्रतिभूतियों और अन्य संपत्तियों में निवेश के जरिये प्राप्त कमाई समेत अन्य आय के बारे में जानकारी मिल जाती है। अधिकारियों ने यह भी कहा कि ब्योरा प्रवासी भारतीयों समेत कारोबारियों से जुड़ा है। ये प्रवासी अब कई दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ-साथ अमेरिका, ब्रिटेन और कुछ अफ्रीकी देशों तथा दक्षिण अमेरिकी देशों में बस गये हैं।

# भारत की एकतरफा जीत, तीसरे वनडे सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को हराया, श्रृंखला पर 2-1 से कब्जा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारत और दक्षिण अफ्रीका के तीन एकदिवसीय श्रृंखला में 2-1 से अपना कब्जा जमा लिया है। दिल्ली में खेले गए आखिरी मुकाबले में भारत ने एकतरफा जीत हासिल की है। टीम इंडिया के कप्तान शिखर धवन ने टॉस जीतकर पहले दक्षिण अफ्रीका को बल्लेबाजी के लिए आर्मत्रित किया। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 99 रन पर ऑल आउट हो गई थी। भारत को जीत के लिए 100 रन बनाने थे। भारत में 100 रनों का लक्ष्य 3 विकेट के नुकसान पर 19.1 ओवर में हासिल कर लिया। भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन शुभमन गिल ने बनाए। गिल ने 8 चौकों की मदद से 49 रन बनाए। कप्तान शिखर धवन सिर्फ 8 रन का ही योगदान दे सकें। वही ईशान किशन भी 10 रन बनाकर आउट हो गए। बाद में श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल के बीच एक अच्छी साझेदारी हुई। आज के मुकाबले में भी श्रेयस अय्यर काफी लय में नजर आ रहे थे।

इस जीत के साथ ही भारत ने तीन एकदिवसीय मुकाबलों की श्रृंखला में 2-1 से से जीत हासिल कर ली है। पहला मुकाबला लखनऊ में खेला गया था जो कि बारिश से प्रभावित था। इस मुकाबले में भारत को हार मिली थी। बाद में भारतीय टीम ने रांची में शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को हराया था। दिल्ली के आखिरी मुकाबले में भारत ने एकतरफा जीत हासिल की। वहीं, आज भारतीय गेंदबाजी का दम भी देखने को मिला। भारत के युवा गेंदबाजों ने 27.1 ओवर में दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम को 99 रनों पर ऑल आउट कर दिया। वाशिंगटन सुंदर दो, मोहम्मद सिराज दो, शहबाज अहमद दो और कुलदीप यादव के खाते में 4 विकेट गया। कुलदीप यादव ने 4.1 ओवर की गेंदबाजी करते हुए 1 मेडन डाला और 18 रन देकर चार विकेट चटकाए।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से हेनरिक क्लासेन (34) शीर्ष स्कोर रहे। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज जानेमन मलान (15) और मार्को जेनसन (14) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। दक्षिण अफ्रीका का इस साल यह दूसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले टीम 22 जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में सिर्फ 83 रन पर सिमट गई थी। दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 10 ओवर में 26 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए थे और टीम इससे कभी नहीं उबर पाई। लगातार दो दिन की बारिश के बाद पिच से गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। भारत ने गेंदबाज का आगाज वाशिंगटन से हराया। उन्होंने अपने दूसरे और पारी के तीसरे ओवर में ही क्विंटन डिकॉक (06) को आवेश खान के हाथों कैच करा दिया।

## बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग: करियर के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल हुए लक्ष्य सेन

**नयी दिल्ली।(एजेंसी)।**

राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य सेन बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम पुरुष एकल विश्व रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की पुरुष युगल जोड़ी भी शीर्ष 20 में जगह बनाने के करीब है।

यह जोड़ी मंगलवार को जारी रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से करियर की सर्वश्रेष्ठ 21वीं रैंकिंग पर पहुंच गयी हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल रैंकिंग में छठे स्थान पर बनी हुई हैं जबकि चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी आठवें स्थान पर है।

विश्व चैंपियनशिप 2021 में कांस्य पदक जीतने वाले 21 साल के सेन ने साल की शुरुआत इंडिया ओपन में स्वर्ण पदक के साथ की थी। वह प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप और जर्मन ओपन में उप विजेता रहे। सेन भारत की थॉमस कप में पहली खिताबी जीत के दौरान टीम के अहम सदस्य थे।

फॉर्म में चल रहे अर्जुन और ध्रुव की जोड़ी ने साल की शुरुआत 42वें स्थान से करने के बाद रैंकिंग में अच्छी प्रगति की है। हाल में इंडिया महाराष्ट्र इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब जीतने वाले अर्जुन और ध्रुव को उलटफेर करने के लिए जाना जाता है। इस जोड़ी ने इस साल विश्व चैंपियनशिप में सिर्फ 40 मिनट में किम एस्ट्रूप और एंडर्स रासमुसेन की डेनमार्क की दुनिया की आठवें नंबर की जोड़ी को हराया था।

## टी20 रैंकिंग: दीप्ति शर्मा ने हासिल की करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग, इस्माइल को छोड़ा पीछे

**दुबई (एजेंसी)।**

भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप 2022 में शानदार प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आईसीसी टी20 रैंकिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी रैंकिंग के अनुसार दीप्ति ने टी20 महिला गेंदबाजों की रैंकिंग में 724 पॉइंट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया है। शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन विकेट और बांग्लादेश और थाईलैंड के खिलाफ दो-दो विकेट लिए और तीन स्लॉट आगे बढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर पहुंच गई। उन्होंने साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल को पीछे छोड़ दिया है और अब वह केवल इंग्लैंड के स्पिनरों सोफी एक्लेस्टोन और सारा ग्लेन से पीछे है।

शर्मा भी बल्लेबाजों में एक स्थान ऊपर 35वें स्थान पर पहुंच गई हैं और ऑस्ट्रेलिया के एशले गार्डनर को पछाड़कर हरफनमौला खिलाड़ियों में तीसरे स्थान पर हैं। ऑलराउंडरों में उनका नंबर तीन का स्थान भी करियर की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि है। भारत की रेणुका सिंह (तीन पायदान के फायदे से आठवें स्थान पर), स्नेह राणा (30 पायदान के फायदे से 15वें स्थान पर) और पूजा वस्त्राकर (सात पायदान के फायदे से 28वें स्थान पर) ने गेंदबाजों की रैंकिंग में सुधार किया है।

## महिला एशिया कप: थाईलैंड पहली बार महिला एशिया के सेमीफाइनल में पहुंचा , बांग्लादेश बाहर हुआ

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

महिला एशिया में मंगलवार को बारिश के कारण मेजबान बांग्लादेश और यूएई के बीच मुकाबला नहीं हो पाया। इस मैच के रद्द होते ही बांग्लादेश की टीम एशिया कप से बाहर हो गयी। वहीं भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान के साथ ही थाईलैंड की टीम पहली बार एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। बांग्लादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने अंतिम मैच से दो अंक हासिल करने थे पर वह उसमें नाकाम रही। बारिश के कारण मैच नहीं हो पाने से उसे केवल एक अंक ही मिला। मैच रद्द होने के कारण बांग्लादेश के 6 मैच में पांच अंक ही हो पाये। मेजबान टीम ने ग्रुप स्तर पर दो मैच ही जीते थे जबकि थाईलैंड की टीम ने यूएई, मलेशिया और पाकिस्तान को हराया था। इस प्रकार उसके 5 मैच में कुल 6 अंक ही हो पाये और वह ग्रुप स्तर पर चौथे स्थान पर ही पहुंच पायी। वहीं भारत, पाक और श्रीलंका की टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं।

इस टूर्नामेंट का अंतिम ग्रुप मैच पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच सिलहट में खेला जाना पर बारिश के कारण यह मैच भी शायद ही हो पाये। यह दोनो ही टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। ऐसे में इस मुकाबले का महत्व केवल इतना है कि सेमीफाइनल में कौन सी टीम किससे खेलेगी। अगर यह मुकाबला भी रद्द होता है तो पाकिस्तान और श्रीलंका को एक-एक अंक मिलेंगे। उस स्थिति में पाक ओर श्रीलंका दोनों के ही 6-6 मैच में 9 अंक हो जाएंगे। पाक का नेट रन रेट (2.101) श्रीलंका (1.205) से अच्छा है। ऐसे में पाक टीम दूसरे स्थान पर ही रहेगी। भारतीय टीम अभी अंक तालिका में 10 अंकों के साथ ही शीर्ष पर है। वहीं अगर पाक टीम अगर अंतिम ग्रुप मैच में श्रीलंका को हरा देती है, तो उसके भी 6 मैच में भारतीय टीम के बराबर 10 अंक हो जाएंगे। तब पहले स्थान का फैसला, नेट रन रेट के आधार पर होगा।

## टी20 विश्वकप में ऋषभ की जगह पर कार्तिक को अंतिम ग्यारह में शामिल करें : सबा

**मुम्बई ।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व चयनकर्ता सबा करीम ने कहा है कि आगामी 16 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर दिनेश कार्तिक को अंतिम ग्यारह में जगह मिलनी चाहिये। सबा के अनुसार ऋषभ पंत की जगह पर कार्तिक को रखना ज्यादा बेहतर रहेगा। उनके अनुसार कार्तिक ही टीम प्रबंधन की पहली पसंद रहेंगे क्योंकि हाल के दिनों में उनका खेल फिनिशर के तौर पर बेहतर रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर के अनुसार भारतीय टीम अगर फिनिशर के तौर पर कार्तिक को रखती है तो यह भारतीया टीम के लिए अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को नंबर 6 के लिए इसी प्रकार के बल्लेबाज की जरूरत होगी। कार्तिक नंबर 6 पर आकर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं जबकि ऋषभ का प्रदर्शन इस क्रम पर विशेष नहीं रहा है। हाल के दिनों में ऋषभ कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं, ऐसे में उनकी दावेदारी कमजोर नजर आती है।

## टी20 मुश्ताक अली ट्रॉफी - पृथ्वी की आक्रामक पारी से मुम्बई ने मिजोरम को नौ विकेट से हराया

**राजकोट ।** पृथ्वी शॉ की शानदार पारी से टी20 मुश्ताक अली ट्रॉफी से शुरु हुए घरेलू सत्र के पहले ही मैच में मुम्बई ने मिजोरम को नौ विकेट से हरा दिया। इस मैच में मिजोरम की टीम ने पहले खेलते हुए 8 विकेट पर 98 रन बनाये। केवल श्रीवत्स गोस्वामी ही 31 रन तक पहुंच पाये जबकि बाकि बल्लेबाज सस्ते में ही आउट हो गये। वहीं मुंबई की ओर से धवल कुलकर्णी , शम्स मुलानी और तानुष कोटियान ने 2-2 विकेट लिए। इसके बाद मुंबई की टीम ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को 10.3 ओवरों में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पृथ्वी ने 34 गेंद पर 55 रन बनाये। उनका स्ट्राइक रेट 162 का रहा। अपनी इस पारी में पृथ्वी ने 9 चौके और एक छक्का लगाया। अपनी इस पारी के जरिये पृथ्वी ने टीम इंडिया में वापसी की अपनी दावेदारी पेश की है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान अजिंक्य रहाणे केवल 7 गेंद पर 9 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद पृथ्वी और अमन खान ने टीम संभाला ओर उसे लक्ष्य तक पहुंचाया। अमन ने 22 गेंद पर 39 रन बनाये और वह भी नाबाद रहे। अपनी इस पारी में अमन ने पांच चौके और दो छक्के लगाये। इस दोनो के बीच 91 रन की नाबाद साझेदारी हुई। इससे पहले मुंबई ने टॉस जीतकर पहले मिजोरम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मिजोरम की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसकी आधी टीम 66 रनों के अंदर ही पेवेलियन लौट गयी। केवल श्रीवत्स ने 29 गेंद पर 31 रन बनाए और विकास कुमार ने 24 रन बनाए। टीम के केवल तीन बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये।

## नेशनल गेम्स से पेरिस ओलंपिक के लिए मजबूत हॉकी टीम बनाने में मदद मिलेगी: रीड

**राजकोट (एजेंसी)।**

भारतीय पुरूष हॉकी के मुख्य कोच ग्राहम रीड 36वें राष्ट्रीय खेलों में प्रतिस्पर्धा के स्तर से बहुत खुश हैं और उन्होंने कहा कि इससे 2024 पेरिस ओलंपिक के लिये मजबूत टीम बनाने में मदद मिलेगी । रीड यहां आठ टीमों की हॉकी स्पर्धा का फाइनल देखने आये हैं । उन्होंने कहा,'' मैं पहली बार राष्ट्रीय खेल देख रहा हूं । मैं यही कहूंगा कि खेल सही समय पर हो रहे हैं । सबसे अहम बात यह है कि कई युवाओं ने अपनी प्रतिभा की बानगी पेश की है जो पेरिस ओलंपिक के लिये टीम तैयार करने में काम आयेगा ।'

तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के कोच रहे रीड खिलाड़ियों के कौशल से प्रभावित हैं लेकिन उन्होंने कहा कि आगे जाने के लिये उन्हें सुधार करने होंगे । उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय खेलों में व्यक्तिगत कौशल देखने को मिला लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल अलग तरह का होता है । व्यक्तिगत कौशल चाहिये लेकिन खिलाड़ियों को हालात के अनुरूप ढलना होगा ।' कोच ने कहा कि मौजूदा भारतीय टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ बन सकती है । उन्होंने कहा,'टीम इंडिया के हर सदस्य का फोकस हालात के अनुरूप ढलने पर होना चाहिये ।'

रीड ने हाल ही में एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले हरमनप्रीत सिंह और सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर बने पी आर श्रीजेश की तारीफ की । उन्होंने कहा ,'' हरमनप्रीत ने शानदार प्रदर्शन किया । वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं होता और लगातार सीखना चाहता है । श्रीजेश का प्रदर्शन भी शानदार रहा है और गोलकीपरों का कैरियर दूसरे खिलाड़ियों से लंबा होता है ।

## 'असफल क्रिकेटर' कहे जाने पर आकाश चोपड़ा ने ट्रोलर को दिया करारा जवाब

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

पूर्व भारतीय बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने क्रिकेट की दुनिया में कमेंटेटर और क्रिकेट एक्सपर्ट के तौर पर अलग पहचान बनाई है। इसी का नतीजा है कि उनका नाम कमेंटेटर और क्रिकेट एक्सपर्ट के तौर पर प्रमुखता से लिया जाता है। हालांकि, यह कोई छिपी हुई बात नहीं कि क्रिकेट एक्सपर्ट के तौर से जाने वाले आकाश चोपड़ा का खुद का क्रिकेट करियर शानदार नहीं रहा। इसी का नतीजा है कि वह सोशल मीडिया पर अपने करियर को लेकर ट्रोल होते रहते हैं। उनके करियर पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर एक यूजर ने उन्हें ट्रोल करते हुए 'असफल क्रिकेटर' करार दिया, जिस पर चोपड़ा ने अब अपनी चुप्पी तोड़ी है।

सोशल मीडिया यूजर ने चोपड़ा द्वारा साझा किए गए एक वीडियो पर टिप्पणी करते हुए लिखा,÷कृपया अपना करियर भी बताएं। यह क्या है? आप क्रिकेट के बारे में कैसे बात कर सकते हैं? जब आप एक असफल क्रिकेटर हैं।'

इसी ट्रोल को लेकर चोपड़ा ने करारा जवाब देते हुए लिखा, 'मैंने आपका नाम गूगल किया ... आपका क्रिकेट में कोई करियर नहीं मिला और न ही किसी अन्य खेल में। आप मेरे बारे में कैसे बात कर सकते हैं ?? जब आप जीवन में एक --- व्यक्ति हैं?

गौर हो कि चोपड़ा का भारतीय टीम में करियर कुछ खास नहीं था। उनको भारत के लिए केवल 10 टेस्ट मैचों में ही खेलने का मोका मिला, जिसमें उन्होंने 23 की औसत से 437 रन बनाए। उनको भारत के लिए ODI या T20I में खेलने का मौका नहीं मिला। चोपड़ा इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए भी खेले, लेकिन 6 इनिंग में केवल 53 रन बना पाए।

## इटली के शहर फ्लोरेंस में 28 साल बाद एटीपी टूर की वापसी, वुल्फ ने मेस्ट्रेली को हराया

**फ्लोरेंस।** इटली के शहर फ्लोरेंस में 28 साल बाद एटीपी टूर्नामेंट की वापसी पर अमेरिका के जेजे वुल्फ ने फिरेंजे ओपन टेनिस प्रतियोगिता के पहले दौर में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले स्थानीय खिलाड़ी फ्रांसेस्को मेस्ट्रेली पर तीन सेट में जीत हासिल की। पहली बार किसी एटीपी टूर्नामेंट के मुख्य ड्रा में खेल रहे मेस्ट्रेली ने पहले गेम में ही वुल्फ की सर्विस तोड़ दी थी और उन्होंने यह सेट भी जीता लेकिन अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार वापसी कर के आखिर में 4-6, 6-2, 6-1 से जीत दर्ज की। वुल्फ का अगला मुकाबला हमवतन अमेरिकी और चौथी वरीयता प्राप्त मैक्सिम क्रेसी से होगा। स्पेन के रॉबर्टो कारबॉल्स बेना ने डेनियल इलाही गैलान को 6-2, 6-1 से हराया और अब वह दूसरी वरीयता प्राप्त माटेओ बेरेटिनी से भिड़ेंगे। टैलन ग्रीक्सपूर के आधे मैच से हट जाने के कारण पांचवीं वरीयता प्राप्त असलान करात्सेव भी अगले दौर में पहुंच गए। अल्तुग सेलिकबिलेक और कोरेंटिन मौटेट भी दूसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे। फ्लोरेंस ने इससे पहले टूर स्तर की प्रतियोगिता 1994 आयोजित की गई थी।

## सिंधू को दिसंबर में विश्व टूर फाइनल तक फिट होने की उम्मीद

**नई दिल्ली।** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को उम्मीद है कि टखने की चोट के कारण अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से लंबे ब्रेक के बाद वह दिसंबर में सत्रांत विश्व टूर फाइनल्स के दौरान वापसी करने में सफल रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय सर्किट में सबसे फिट खिलाड़ियों में शामिल सिंधू को अगस्त में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान बाएं पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हो गया था। 'ब्रेव टुगेदर कैपेन' की ब्रांड दूत सिंधू ने पीटीआई से कहा, ''सकारात्मक पक्ष यह है कि ब्रेक लेने के लिए मुझे लगता है कि सिर्फ यही समय था क्योंकि अगला साल काफी व्यस्त होने वाला है और लगातार टूर्नामेंट होंगे।'' उन्होंने कहा, ''नकारात्मक पक्ष यह है कि चोट के कारण मुझे ब्रेक लेना पड़ा। लेकिन यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आपको अपने शरीर का ध्यान रखना होगा और सुनश्चित करना होगा कि आप पूरी तरह फिट और ठीक रहें। आपको खेल के स्तर से निपटने के लिए खुद को फिट बनाए रखना होगा।'' सिंधू ने कहा, ''जल्दी उबरना महत्वपूर्ण होता है। मैं बेहतर हो रही हूं और उम्मीद करती हूं कि दिसंबर में खेलना शुरू कर दूंगी।'' सिंधू इस महीने डेनमार्क ओपन (18 से 23 अक्टूबर) और फ्रेंच ओपन (25 से 30 अक्टूबर) में हिस्सा नहीं हो पाएंगी जो बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 750 प्रतियोगिता है। विश्व टूर फाइनल्स का आयोजन 14 से 18 दिसंबर तक चीन के ग्वांग्झू में किया जाएगा। यह पूछने पर कि क्या यह लक्ष्य है तो सिंधू ने कहा, ''हां, बेशक। मैं डेनमार्क और पेरिस में नहीं खेल रही हूं। लेकिन उम्मीद करती हूं कि वहां खेल पाऊंगी।''

## वर्ल्ड कप से पहले टीम इंडिया को झटका! उमरान मलिक और कुलदीप सेन नहीं जा पाए ऑस्ट्रेलिया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

टीम इंडिया इस वक्त टी20 विश्व कप में शामिल होने के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। भारत को अपना पहला मुकाबला 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलना है। टीम इंडिया इसके लिए जमकर तैयारी भी कर रही है। अपना पहला प्रैक्टिस मुकाबला भी टीम इंडिया ने खेल लिया है और अब दूसरे मैच की तैयारी चल रही है। टी 20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया में 15 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। हालांकि जसप्रीत बुमराह के चोटिल हो जाने के बाद अभी खिलाड़ियों की संख्या 14 ही है। जसप्रीत बुमराह के रिप्लेसमेंट के नाम का ऐलान नहीं हुआ है। इन सबके बीच नेट में गेंदबाजी करने के लिए तेज गेंदबाज उमरान मलिक और कुलदीप सेन को ऑस्ट्रेलिया भेजा जाना था। लेकिन वह नहीं जा सके।

ऑस्ट्रेलिया जाने से छूटने के बाद उमरान मलिक ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी को खेलना शुरू कर दिया है। हालांकि, इस बीच अब यह भी पता चल गया है कि उमरान मलिक और कुलदीप सेन ऑस्ट्रेलिया क्यों नहीं जान सके हैं। दरअसल, वीजा मुद्दों के कारण दोनों खिलाड़ियों के आस्ट्रेलिया रवाना होने में देरी हुई है। उमरान मलिक और कुलदीप सेन को नेट बॉलर के रूप में चुना गया था। हालांकि, अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उमरान मलिक और कुलदीप सेन आगे की उड़ान ऑस्ट्रेलिया के लिए कब करेंगे तथा साथ ही साथ मुस्ताक अली ट्रॉफी में कितने मुकाबले खेल पाएंगे। उमरान मलिक, मोहम्मद सिराज और कुलदीप सेन को पर्थ में भारतीय टीम के साथ 6 अक्टूबर को उड़ान भरनी थी। लेकिन वीजा मामलों में क्लीयरेंस नहीं मिलने के बाद यह उड़ान नहीं भर सके।

हालांकि, बाद में मोहम्मद सिराज को एकदिवसीय टीम में शामिल कर लिया गया। कुछ ऐसे भी खिलाड़ी है जो थोड़ा लेट से ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरेंगे। वर्तमान में टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया के लिए जल्द ही रवाना होंगे। उनके साथ मोहम्मद शमी और दीपक चहर भी जाएंगे। खबर के मुताबिक के यह सभी खिलाड़ी 12-13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो सकते हैं। ऐसे में इस बात की उम्मीद की जा रही है कि उमरान मलिक और कुलदीप सेन भी 12 अक्टूबर को इन खिलाड़ियों के साथ ऑस्ट्रेलिया जा सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में काफी तेज और सपाट पिच होती है। कुलदीप सिंह और उमरान मलिक काफी तेज गेंदबाजी करते हैं। ऐसे में प्रैक्टिस में टीम इंडिया को बड़ी मदद मिल सकती थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# जॉब के लिए इन चीजों की कुर्बानी कभी न दें

हम आठ से दस घंटे जॉब करते हैं और वह भी अपना पूरा सौ प्रतिशत देकर। आप भले ही अपने जॉब से कितना भी प्यार क्यों न करते हों लेकिन आपको अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में सीमा बनाकर रखने की जरूरत होती है। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो हमारा काम, हमारा स्वास्थ्य, हमारा निजी जिंदगी प्रभावित होगी। आइए जानते हैं कि ऐसी कौन सी 5 चीजें हैं जिसे आपको अपने जॉब के लिए कभी कुर्बान नहीं करना चाहिए।

## आपका स्वास्थ्य

यह बहुत ही मुश्किल होता है कि काम के समय आप अपने स्वास्थ्य के लिए सीमा तैयार कर ले क्योंकि आपको इसके दुष्प्रभाव का अंदाज ही नहीं होता। आप तनाव का स्वागत करते हैं, नींद खो देते हैं और बिना व्यायाम के लंबे समय पर बैठकर काम करते हैं। जब तब आपको इस बारे में पता चलेगा आपकी हालत खराब हो चुकी होगी। इसलिए इस बात को सुनिश्चित कर लें कि आपकी जॉब के कारण आपके हेल्थ पर कोई गलत प्रभाव तो नहीं पड़ रहा है। कोई भी जॉब ऐसी नहीं है जिसकी कीमत आपके स्वास्थ्य से बढ़कर हो।

## आपका परिवार

यह बहुत ही आसान होता है कि आपका परिवार आपके जॉब के कारण प्रभावित हो रहा हो। हममें से कई लोग यह करते हैं क्योंकि हम हमारी नौकरी को हमारे परिवार का चलाने का साधन मानते हैं। आप यह सोचते हैं कि बच्चों को अच्छे कॉलेज-स्कूल में पढ़ाना है तो मुझे ज्यादा पैसा कमाना होगा। बस फिर क्या आप परिवार के साथ क्वॉलिटी टाइम भी नहीं बिता पाते। आप ऐसी कई मेमोरिज मिस कर देते हैं जो आपके परिवार को खुशियां देती है।

## आपका विवेक

वह जॉब जो आपके विवेक का एक छोटा सा हिस्सा भी ले ले तो यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आपका विवेक कुछ ऐसा है कि इसे आपको ही मॉनिटर करना होगा और खुद को हेल्दी रखने के लिए सीमाएं तय करनी होगी।

## आपकी पहचान

जब आपका काम आपकी पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है तो यह खतरनाक साबित हो सकता है कि आपकी पूरी पहचान केवल आपका काम ही हो। अपनी पहचान के बाहर का काम कर के आपको सुखद एहसास होगा। यह आपके तनाव दूर करने में मदद करेगा और एक व्यक्ति के रूप में विकास करने में मददगार साबित होगा।

## आपके संपर्क

आपके संपर्क आपकी मेहनत और प्रयास का उत्पाद है। किसी भी जॉब की खातिर आप अपने अच्छे संपर्क सूत्रों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

# वर्कप्लेस क्राइसेस से इन तरीकों से डील करें

**ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।**

वर्कप्लेस पर क्राइसेस अनेक रूप ले सकता है। यह प्रतिष्ठा को लेकर या मुकदमेबाजी का मुद्दा हो सकता है या फिर प्राकृतिक आपदा। यह भी हो सकता है कि रिवेन्यू में कमी होने से कॉस्ट कटिंग और डाउनसाइजिंग का दौर चले। ऐसे समय के दौरान जिम्मेदारी संगठनात्मक नेतृत्व की होती है कि आगे की योजना तैयार करे और कर्मचारियों को आश्वस्त करें।

### पारदर्शिता

आतंरिक या बाह्य किसी भी तरह के क्राइसेस में कर्मचारियों को चिंता होती है कि वह किस तरह से प्रभावित होंगे। उनके साथ स्पष्ट रूप से संवाद किया जाए और बड़ी खबरें न छुपाई जाए। क्राइसेस को लेकर पारदर्शी रहे और सावधानी से काम करें।

### विश्वास रखें

एक लीडर के रूप में आपसे उम्मीद की जाती है कि वर्कप्लेस क्राइसेस से निपटने के लिए आप कॉन्फिडेंट रहें। जहां भी आवश्यक हैं, वहां हस्तक्षेप करें और समाधान के लिए हटकर सोचने से डरे नहीं।

### ईमानदार रहें

व्यक्तिगत रूप से कर्मचारियों से मिलें और उन्हें निश्चिंत करें कि इस संकट आप उनका ध्यान रखेंगे। ईमानदारी से स्थिति बयां करते हुए जरूरी एक्शंस को लेकर उनसे बात करें।

### मदद मांगने में न हिचकें

अपने कर्मचारियों के पास जाएं और उनसे सलाह मांगे। ऐसा करना आपकी लीडरशिप पर सवाल नहीं है बल्कि यह एक अच्छा तरीका है जिसमें क्राइसेस के समय कर्मचारियों को अपना योगदान देने में गर्व ही महसूस होगा।

# इस तरह बना सकते हैं ग्रह, नक्षत्रों में करियर

**इन दिनों युवाओं में ज्योतिष की पढ़ाई को लेकर भी खूब क्रेज है। बाजार में ज्योतिषियों की बढ़ती मांग को देखते हुए युवाओं को इसमें भविष्य संवारने का सुनहरा मौका दिया है। ज्योतिष कोर्स को लेकर युवाओं के बढ़ते रुझान को देखते हुए यह एक बेहतरीन करियर विकल्प बन गया है। पिछले कुछ सालों में इस फील्ड में काफी स्कोप बढ़ा है। यही नहीं ज्योतिष के साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं।**

कुंडली मिलान से लेकर, मांगलिक कार्य, शादी ब्याह, पंचाग, राशिफल, अंकविज्ञान, कर्मकांड आदि भी इसी दायरे में आते हैं। ज्योतिष, पूजा-पाठ के कई तरह के कोर्स उपलब्ध है। 12 वीं करने के बाद भी आप इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। स्नातक ऑनर्स या शास्त्री की डिग्री तीन साल की होती है। दो साल का पीजी कोर्स या आचार्य की डिग्री हासिल की जा सकती है। आप पीएचडी भी कर सकते हैं।

ज्योतिष अलंकार कोर्स के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। इसके बाद आप ज्योतिषाचार्य का कोर्स कर सकते हैं। ज्योतिष और अध्यात्म के साथ-साथ पूजा-पाठ में करियर का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है। जहां लोग अपना भविष्य जानना चाहते हैं, वहीं ग्रह-नक्षत्र को शांत करने के लिए भी धार्मिक अनुष्ठान कराते हैं। अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में संस्कृत के साथ ही ज्योतिष विज्ञान, कर्मकांड, धर्मशास्त्र, व्याकरण, वेद, पुरोहित आदि की पढ़ाई होती है। वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वैदिक दर्शन, जैन-बुध्द दर्शन, धर्मशास्त्र मीमांसा, धर्मागम आदि का अध्ययन संस्कृत विषय के तहत ही किया जाता है। हालांकि कई संस्थानों में ज्योतिष प्रज्ञ में सर्टिफिकेट कोर्स तो ज्योतिष भूषण में डिप्लोमा कोर्स भी आयोजित कर रहे हैं।

## संभावनाएं

ज्योतिष में करियर बनाने के इच्छुक लोगों को रत्न, पत्थर, ग्रह-नक्षत्र के साथ भारतीय लोगों के दृष्टिकोण को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं आती क्योंकि अधिकतर भारतीय पारंपरिक हैं और ज्योतिष पर विश्वास करते हैं। कोई भी व्यक्ति अखबार, न्यूज चैनलों के अलावा पत्रिकाओं में भविष्यवक्ता भी बन सकता है।

## स्किल्स

इस फील्ड में आप तभी सफल हो सकते हैं जब आप में लगातार कुछ न कुछ सीखने के गुण हों। आपका व्यक्तित्व आकर्षक हो, आप लोगों के साथ दोस्ताना रवैया रख सकें। केवल पैसा कमाना ही आपका मकसद न होकर दूसरों की सहायता करना भी होना चाहिए। ईमानदारी इस पेशे में काफी अहमियत रखती है। साथ ही, जिम्मेदारी की भावना भी आप में कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए। लोगों को अपनी बातों से कंविंस करना इस फील्ड की मुख्य चुनौती है। आप अपनी बात हर समय तर्कयुक्त ढंग से रखें जिससे सामने वाला आपकी बातों पर हामी भरे। ज्योतिष सीखना और भविष्यवाणी करना आसान काम नहीं है। इसके लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है। नकारात्मक बातों की भविष्यवाणी करने से पहले आपको इस बात का ख्याल रखना होता है कि ग्राहक कहीं बेहद निराश में न डूब जाए।

## कोर्सेस

बीएससी इन एस्ट्रोलॉजी, एमएससी इन एस्ट्रोलॉजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन एस्ट्रोलॉजी, डिप्लोमा कोर्स इन भारतीय ज्योतिष, बीएम/एमए/पीएचडी इन एस्ट्रोलॉजी, एमए इन संस्कृत रिसर्च इन एस्ट्रोलॉजी, कोर्स इन वेदांग ज्योतिष, टू ईयर ग्रेडेट कोर्स इन वैदिक एस्ट्रोलॉजी, एम इन एस्ट्रोलॉजी (पत्राचार), बीए (संस्कृत), ज्योतिष एमए (आचार्य), ज्योतिष बीए (संस्कृत), ज्योतिष फलित, ज्योतिष बीए (ज्योतिष), एमए (फलित ज्योतिष), एमए (सिध्दांत ज्योतिष), बीए शास्त्री (सिध्दांत ज्योतिष), बीए (फलित ज्योतिष), ज्योतिष डिप्लोमा कोर्स, ज्योतिष डिप्लोमा पुरोहित सर्टिफिकेट ट्रेनिंग कोर्स इन पुरोहित, पीजी डिप्लोमा इन वास्तुशास्त्र रिफ्रेशर कोर्स इन ज्योतिष (ज्योतिष प्रज्ञ और ज्योतिष भूषण), ज्योतिष प्रवीण बेसिक एस्ट्रोलॉजी कोर्स (एक साल)।

# इन तरीकों से दूर कर सकते हैं अपनी कमजोरियां

कई बार हम बिना सोचे-समझे दूसरों की आलोचना कर देते हैं लेकिन ऐसा करते हुए हम यह नहीं सोचते कि इसका परिणाम क्या होगा। दूसरों की आलोचना पर ध्यान देने या उनकी कमियां निकालने में समय गंवाने के बजाय हमें खुद को सशक्त बनाने पर ध्यान देना चाहिए। अपने आप को कमजोर या हीन समझने के बजाय यह देखें कि आखिर वह कौन-सी खासियत है, जो आपके भीतर है, जिसे आगे बढ़ाकर आप कामयाबी के शिखर की तरफ बढ़ सकते हैं। कभी भी यह न सोचें कि आपके भीतर कोई हुनर नहीं है। अगर आपको लगता है कि वाकई कोई अच्छाई आपमें नहीं है, तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जरा ठहरें। कुछ दिन पूरी एकाग्रता के साथ आत्म-मंथन करें। अपनी रुचियों, आदतों, व्यवहार, बातचीत, प्रतिक्रिया आदि पर ध्यान दें। आपको जरूर पता चल जाएगा कि आप में कौन-सी अच्छाई है। अगर फिर भी समझ में नहीं आता, तो घर के किसी समझदार सदस्य, अध्यापक या फिर काउंसलर की मदद से खुद की ताकत को जानें-समझें। इससे आपको अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी।

### घबराएं न हार से

अगर आप कभी किसी परीक्षा या टेस्ट में फेल हो जाते हैं, किसी टीम का हिस्सा होते हुए भी बेहतर परफॉर्म नहीं कर पाते या फिर किसी वजह से शर्मिंदा होना पड़ता है, तो ऐसी स्थिति में भी धैर्य बनाए रखें। हताश बिल्कुल न हों। खुद को संयत रखें। फिर यह सोचें कि आखिर आप असफल क्यों हुए? आपसे कहां चूक हो गई? आपने गलती कहां की? अपनी हार या असफलता में छिपे कारणों को ढूंढें। जब तक आप उन कारणों को ढूंढकर उन्हें दूर करने का प्रयत्न नहीं करेंगे, कामयाबी आपसे दूर ही रहेगी। अगर आप खुद को विजेता के रूप में देखता चाहते हैं, तो अपनी कमियों-कमजोरियों को ढूंढकर उन्हें यथाशीघ्र दूर करें। याद रखें, दुनिया में ऐसे बहुत कम कामयाब लोग होंगे, जिन्होंने कभी असफलता का स्वाद नहीं चखा होगा। कामयाबी के शिखर पर पहुंच चुके तमाम लोगों को अपने प्रयासों में कई बार हार मिली। चाहे बल्ब के आविष्कारक थॉमस एडिसन हों या फिर नए संसार की खोज में निकले कोलंबस और वास्को-डि-गामा जैसे लोग। बार-बार की असफलता के बावजूद ऐसे उत्साही लोगों ने उम्मीद का दामन नहीं छोड़ा। आखिर एक दिन ऐसा आ ही गया, जब उन्हें कामयाबी मिली और दुनिया भर ने उनका लोहा माना। अगर आप भी किसी परीक्षा या प्रतियोगिता में असफल हो जाते हैं, तो इसे जिंदगी का आखिरी इम्तेहान समझने के बजाय इस बात पर विचार करें कि आखिर किन कमियों के कारण आपको सफलता नहीं मिल सकी। इन कमियों को दूर कर फिर दोगुने उत्साह के साथ प्रयास करें।

### आत्ममुग्धता से बचें

अक्सर यह भी देखने में आता है कि छोटी-छोटी सफलताएं पाकर हम आत्ममुग्ध हो जाते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि बड़े लक्ष्य को पाने के लिए किए जाने वाले हमारे प्रयास शिथिल पड़ने लगते हैं। कई बार हम खुद को बेहद काबिल मानकर यह सोच लेते हैं कि हमें सफलता तो मिल ही जाएगी। मगर जब ऐसा नहीं होता और असफलता हाथ लगती है, तो हमें शॉक लगता है। तब हमें एहसास होता है कि काश दूसरों की तारीफों के कारण हम आत्ममुग्धता के शिकार न हुए होते।

## सकारात्मकता का साथ

आप चाहे पढ़ाई कर रहे हों या नौकरी, अपनी सोच को हर समय सकारात्मक बनाए रखें। परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, संघर्ष चाहे जितना करना पड़े, सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे, तो इसके अच्छे परिणाम भी जरूर दिखेंगे। किसी के बारे में बुरा सोचने या उसकी निंदा करने के बजाय अच्छा सोचें, अच्छा करें। दूसरे क्या कर रहे हैं या क्या नहीं कर रहे हैं, इस पर नजर रखने के बजाय हमेशा अपने दायित्व को पूरा करने पर ध्यान दें। अपने काम में नित नई पहल करते हुए जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ेंगे, तो सफलता भी मिलेगी और नई पहचान भी बनेगी।

# किस तरह क्वॉलिफाई कर सकते हैं सीसैट

**युवाओं में सिविल सर्विसेज की प्रिलिम्स, यानी सीसैट (सिविल सर्विसेज एप्टिट्यूड टेस्ट) बहुत मायने रखती है। अगर आपमें पैशन है, तो आप इस परीक्षा में अपनी योग्यता दिखाकर अच्छे अंक पा सकते हैं। जानते हैं सी-सैट सहित सिविल सेवा परीक्षा से संबंधित कुछ सामान्य सवालों के जवाब।**

### सीसैट की तैयारी में कितना समय लगता है

सीसैट (प्रिलिम्स) में 2 ऑब्जेक्टिव टाइप सेक्शन होते हैं। पहला पेपर जनरल स्टडीज का और दूसरा पेपर एप्टीट्यूड टेस्ट का होता है। अगर उम्मीदवार प्रिलिम्स की तैयारी कर रहा है, तो उसे दोनों यानी जनरल स्टडीज पेपर 1 और जीएस मेन्स की तैयारी साथ में ही करनी चाहिए। जहां तक समय का सवाल है, तो प्रिलिम्स की तैयारी के लिए 6 से 8 महीने का समय लग जाता है। अगर उम्मीदवार सही तरीके से तैयारी करे, तो वह जीएस मेन्स का 60 से 70 प्रतिशत भाग कवर कर सकता है। इसके अलावा नोट्स बनाने भी बहुत जरूरी हैं। आपको सिलेक्शन पाने के लिए कुछ हटकर करना पड़ेगा।

### सीसैट व मेन्स का जीएस पेपर क्या एक-दूसरे से किसी तरह संबंधित हैं?

शायद ही इन दोनों में कुछ कॉमन हो। फिर भी, अगर हम इसकी गहराई में जाएं, तो एक संबंध देख सकते हैं कि अगर किसी उम्मीदवार की जीएस बहुत अच्छी है, तो यह उसे रीडिंग काम्प्रिहेंशन सेक्शन में मदद कर सकती है, जिससे सीसैट में कम से कम 40 से 60 प्रतिशत प्रश्न पूछे जाते हैं।

### सीसैट पेपर 1 और 2 के लिए विद्यार्थियों की क्या रणनीति होनी चाहिए?

पेपर 1 - इसके लिए सबसे जरूरी यह है कि उम्मीदवार एनसीईआरटी की पुस्तकों को बहुत अच्छे-से पढ़े। कक्षा 6 से 12 तक की हिस्ट्री, सिविक्स और जिओग्रॉफी को अच्छे से पढ़ें। कक्षा 9 से 12 तक की इकोनॉमिक्स का गहराई से अध्ययन करें और कक्षा 11 व 12 की सोशलॉजी पर फोकस करें। एनसीईआरटी बुक्स के साथ-साथ आपको एक अच्छा अखबार भी नियमित रूप से पढ़ना चाहिए। इसके अलावा वार्षिक बुक भी अच्छे से पढ़ें। आपको इकोनॉमिकल और पॉलिटिकल साप्ताहिक मैगजीन भी पढ़नी चाहिए।

पेपर 2 - इसके लिए आपको कक्षा 7 से 10 तक की मैथ्स पर बहुत अच्छा कमांड होना चाहिए। इसके अलावा रीजनिंग का बेसिक ज्ञान भी अच्छा होना चाहिए।

### करंट अफेयर्स के तहत किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?

जहां तक प्रिलिम्स का सवाल है, कुछ साल पहले तक करंट अफेयर्स से काफी प्रश्न पूछे जाते थे, लेकिन पिछले 2-3 सालों से इन प्रश्नों में कुछ कमी आई है। एक बात का हमेशा ध्यान रखें कि सिविल सर्विसेज एग्जाम का कोई स्पष्ट ट्रैंड नहीं होता है। करंट अफेयर्स के प्रश्न सीसैट में नहीं पूछे जाते, बल्कि मेन्स में पूछे जाते हैं। इसीलिए उम्मीदवारों को अपने आसपास की घटनाओं से अपडेट रहना चाहिए।

### सीसैट में एक सामान्य विद्यार्थी की सफलता की कितनी संभावना होती है?

2019 में लगभग 5 लाख उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए बैठे थे, जिसमें 3.7 प्रतिशत ही सीसैट क्रैक कर पाए, जबकि करीब 80 प्रतिशत उम्मीदवार ऐसे भी थे, जो बहुत आश्वस्त थे अपने चयन को लेकर मगर वे प्रिलिम्स तक नहीं क्वॉलिफाई कर पाए। वास्तव में प्रतिस्पर्धा 20 प्रतिशत उम्मीदवारों के बीच ही थी। पिछले 5-6 साल से सक्सेस रेट 3-6 प्रतिशत रहा है। सीसैट कठिन तो है पर असंभव नहीं है। एक सामान्य विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत करके सीसैट क्वॉलिफाई कर सकता है।

### क्या सीसैट क्वॉलिफाई करने के लिए कोचिंग जरूरी है?

कोचिंग जरूरी तो नहीं है, फिर भी अगर आप कोई कोचिंग ज्वॉइन करना चाहते हैं, तो बहुत सोच-समझकर ऐसा करें और हो सके तो उसी से मार्गदर्शन लें, जिसने खुद यह परीक्षा दी हो। कारण यह कि कई कोचिंग संस्थानों में फैकल्टी अच्छी नहीं होती।

### सीसैट में सफलता का मुख्य सूत्र क्या है?

सबसे जरूरी बात तो यह है कि उम्मीदवारों का कॉन्सेप्ट बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए। कॉन्सेप्ट क्लीयर हो, तो सी-सैट मुश्किल नहीं। सभी विषयों पर मेहनत करें। किसी विषय को नजरअंदाज न करें।

## पाकिस्तान पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों से मिलीं मलाला यूसुफजई

कराची। नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने और बाढ़ पीड़ितों से मिलने के लिए चार साल से अधिक समय बाद अपने देश की पहली यात्रा पर मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचीं। जून के मध्य से अभूतपूर्व बारिश के कारण पाकिस्तान में आई भीषण बाढ़ में 1,700 से अधिक लोग मारे गए, 3.3 करोड़ लोग विस्थापित हुए और देश का एक तिहाई हिस्सा पानी में डूब गया। विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, बाढ़ के कारण पाकिस्तान को 40 अरब अमेरीकी डॉलर तक के आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। यूसुफजई के गैर-लाभकारी संगठन 'मलाला फंड' ने एक बयान में कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य ''पाकिस्तान में बाढ़ के प्रभाव पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान केंद्रित करना और महत्वपूर्ण मानवीय सहायता की आवश्यकता को सुदृढ़ करने में मदद करना'' है। इससे पहले, 'मलाला फंड' ने बाढ़ राहत प्रयासों का समर्थन करने और ''पाकिस्तान में लड़कियों और महिलाओं के कल्याण'' के लिए अंतरराष्ट्रीय बचाव समिति (आईआरसी) को एक आपातकालीन राहत अनुदान जारी किया था।

यूसुफजई (25) ने अपनी वेबसाइट में कहा कि पाकिस्तान में तबाही और रातों-रात लाखों लोगों का जीवन तबाह होते देखकर मेरा दिल टूट गया है। मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय से न केवल उदार सहायता करने बल्कि जलवायु परिवर्तन को रोकने और जलवायु-वित्तीय तंत्र स्थापित करने के लिए नीतियों पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह करती हूं। यूसुफजई ने आखिरी बार मार्च 2018 में पाकिस्तान का दौरा किया था। अक्टूबर 2012 में स्वात जिले में तालिबान के हमले से बचने के बाद से यह उनकी दूसरी पाकिस्तान यात्रा है। हमले में घायल होने के बाद उन्हें ब्रिटेन के बर्मिंघम के एक विशेष अस्पताल में ले जाया गया था। ठीक होने के बाद यूसुफजई ने घोषणा की कि वह लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक आंदोलन शुरू करेंगी। दिसंबर 2014 में यूसुफजई 17 साल की उम्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने वाली सबसे कम उम्र की विजेता बनीं।

## लेबनान के साथ समुद्री सीमा को लेकर 'ऐतिहासिक समझौता' किया: इज़राइल

यरूशलम। इज़राइल के प्रधानमंत्री येर लापिद ने मंगलवार को कहा कि उनके देश ने अमेरिका की मध्यस्थता में महीनों तक चली बातचीत के बाद पड़ोसी लेबनान के साथ साझा समुद्री सीमा को लेकर एक ''ऐतिहासिक समझौता'' किया है। यह एक दुर्लभ समझौता है, क्योंकि दोनों देश एक-दूसरे के कट्टर शत्रु हैं। हालांकि, समझौते को लेकर अब भी कुछ बाधाएं हैं जिसमें इज़राइल में इसे कानूनी रूप से चुनौती दिये जाने की संभावना शामिल है। प्रधानमंत्री लापिद ने समझौते को एक '' ऐतिहासिक उपलब्धि '' बताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता '' इज़राइल की सुरक्षा को मजबूत करेगा, इज़राइल की अर्थव्यवस्था को काफी फायदा पहुंचाएगा और हमारी उत्तरी सीमा में स्थिरता सुनिश्चित करेगा।'' इज़राइल के 1948 में अस्तित्व में आने के बाद से ही लेबनान और इज़राइल के बीच समुद्री सीमा को लेकर विवाद है। दोनों देश भूमध्य सागर के लगभग 860 वर्ग किलोमीटर (330 वर्ग मील) क्षेत्र पर दावा करते हैं। स्थानीय मीडिया और अधिकारियों के मुताबिक वरिष्ठ अमेरिकी ऊर्जा राजनयिक एमोस होचेस्टीन ने समुद्री सीमा समझौते के लिए लेबनान के मुख्य वार्ताकार और डिप्टी स्पीकर एलिआस बोउ साब को सोमवार की रात संशोधित प्रस्ताव दिया था। होचेस्टीन को एक साल पहले अमेरिका ने वार्ता के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया था।

## ब्रिटिश सांसद ने सिख विरोधी घृणा अपराधों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की

लंदन। ब्रिटेन की सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने देश के मंत्रियों को पत्र लिखकर सिख विरोधी घृणा अपराधों में वृद्धि पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ब्रिटिश सिखों से संबंधित सर्वदलीय संसदीय समूह (एपीपीजी) की अध्यक्ष और विपक्षी लेबर पार्टी की सांसद गिल ने भारतीय मूल की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन और सामुदायिक मामलों के मंत्री साइमन क्लार्क को पत्र लिखकर मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान घृणा अपराधों पर गृह कार्यालय के आंकड़ों का हवाला दिया है। उन्होंने सोमवार को ट्विटर पर अपना पत्र पोस्ट किया जिसमें लिखा है, ''मैं इन नए आँकड़ों से बहुत चिंतित हूँ। 2021-22 में सिखों के खिलाफ 301 घृणा अपराध दर्ज किए गए, जो 2020 में हुए घृणा अपराध के 112 मामलों से अधिक हैं।'' गिल ने अपने पत्र में लिखा, ''मैं आपसे यह कहने के लिए पत्र लिख रही हूं कि आप सिख विरोधी घृणा अपराधों में वृद्धि को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करें और एपीपीजी की सिफारिशों को लागू कर सिख समुदाय की रक्षा करें।

## इस्लामाबाद के सबसे बड़े मॉल में लगी भीषण आग

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सेंटोरस इमारत में आग लग गई है। इस इमारत में राजधानी का सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल भी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में कोई भी हताहत नहीं हुआ है और आग पर काबू पा लिया गया है तथा आगे की जांच के लिए इसे सील कर दिया गया है। आग को बुझाने के अभियान की निगरानी करने वाले राजधानी विकास प्राधिकरण (सीडीए) के प्रमुख मोहम्मद उस्मान यूनिस ने कहा कि आग पर दो घंटे में काबू पाया गया। उन्होंने कहा कि दमकल, पाकिस्तानी नौसेना, पाकिस्तानी वायु सेना, रेक्स्यू 1122 ने आग बुझाने वाले अभियान में हिस्सा लिया। पुलिस के मुताबिक, मॉल के क्षेत्र में स्थित फूड कोर्ट में स्थित एक रेस्तरां में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी जो इमारत के रिहायशी मंजिलों तक पहुंच गई। टीवी पर प्रसारित तस्वीरों में इमारत से धुआं निकलता दिख रहा है जबकि अन्य क्लिप में लोग मॉल की लिफ्ट के जरिए इमारत से बाहर आने की कोशिश करते दिख रहे हैं। इस्लामाबाद के उपायुक्त इरफान नवाज मेमन ने कहा कि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है क्योंकि अधिकारी विभिन्न मंजिलों पर फंसे लोगों को बचाने में सफल रहे। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया। उन्होंने ट्विटर पर कहा, 'यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह घटना इस प्रसिद्ध व्यापार केंद्र में हुई। मैं दुआ करता हूं कि जान का नुकसान न हो। पीड़ितों के वित्तीय नुकसान के लिए संवेदना और सहानुभूति है।

## ईरान हिजाब विवाद के बाद विरोध के बीच पश्चिमी शहर में फायरिंग और विस्फोट

ईरान में 22 वर्षीय एक महिला की मौत की घटना के बाद से लगातार जारी विरोध प्रदर्शन के बीच सोमवार को एक पश्चिमी शहर की सड़कों पर गोलियों और विस्फोटों की आवाज़ें सुनाई दीं। साथ ही, पास के एक गांव में एक व्यक्ति कथित तौर पर सुरक्षा बलों द्वारा मारा गया। कार्यकर्ताओं ने यह जानकारी दी। गौरतलब है कि नैतिकता पुलिस (मॉरिलिटी पुलिस) ने हिजाब सही तरीके से नहीं पहनने के आरोप में सितंबर में महसा अमीनी को हिरासत में लिया था। वह थाने में बेहोश हो गईं और इसके तीन दिन बाद उनकी मौत हो गई थी। इस घटना के बाद से ईरान के कई शहरों, कस्बों और गांवों में विरोध प्रदर्शन जारी है। पुलिस का कहना है कि अमीनी की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई और उनके साथ किसी तरह की बदसलूकी नहीं की गई थी। अधिकारियों द्वारा इंटरनेट पर प्रतिबंध के बावजूद तेहरान और अन्य जगहों से विरोध प्रदर्शन के ऑनलाइन वीडियो सामने आए हैं। महिलाओं को बिना हिजाब के सड़कों पर मार्च करते हुए देखा जा सकता है। बीते चार सप्ताह से सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। 'हेंगॉ ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स' नामक एक कुर्द समूह के अनुसार, सोमवार को तड़के ईरान के कुर्दिस्तान प्रांत की राजधानी सानंदज के साथ-साथ इराक की सीमा के पास सालास बाबाजानी गांव में भी हिंसा की कई घटनाएं हुईं। महसा अमीनी कुर्द थीं और ईरान के कुर्द इलाकों में उनकी मौत को लेकर खासा आक्रोश है। यहां 17 सितंबर को अमीनी को सुपुर्द-ए-खाक़ किए जाते समय विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे जो देश के विभिन्न हिस्सों में फैलते गए।

## भारत और ऑस्ट्रेलिया ने कानून आधारित एक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर दिया जोर

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि एक उदार लोकतंत्र के तौर पर भारत और ऑस्ट्रेलिया कानून आधारितएक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय समुद्र क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता, सभी के लिए विकास व सुरक्षा को बढ़ावा देने में विश्वास रखते हैं। जयशंकर ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच यह बयान दिया। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत बेहद सार्थक व सहज रही, जिसकी एक प्रमुख वजह यह है कि बड़े बहुपक्षीय सम्मेलनों के दौरान भी अलग से वे कई बार मिलते रहते हैं। वोंग ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों का मानना है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आर्थिक व रणनीतिक दोनों रूप से एक ''नया आकार'' दिया जा रहा है।

कीव में रुसी हमले के बाद अपनी जलती हुई कार छोड़कर भागते हुए एक ड्राइवर।

## ब्रिटेन की प्रधानमंत्री ने सुनक के सहयोगी को वाणिज्य मंत्री बनाया

**लंदन।** ब्रिटेन की प्रधानमंत्री लिज ट्रस ने सोमवार को ऋषि सुनक के एक सहयोगी ग्रेग हैंड्स को कनिष्ठ वाणिज्य मंत्री बनाया। सुनक कंजर्वेटिक पार्टी का नेता बनने की दौड़ में ट्रस के प्रतिद्वंद्वी थे। लिज ट्रस के इस कदम को सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी को अपने साथ जोड़कर विद्रोहियों की चाल पर अंकुश लगाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कंजर्वेटिक पार्टी का नेता बनने की दौड़ में शामिल सुनक का ग्रेग हैंड्स ने हाल ही में मुखर समर्थन किया था। अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य विभाग (डीआईटी) में वाणिज्य नीति के प्रभारी मंत्री के रूप में ग्रेग कोनोर बर्न्स का स्थान लेंगे, जिन्हें गंभीर कदाचार के आरोप में हाल ही में पद से बर्खास्त कर दिया गया था। सुनक के उच्च स्तरीय समर्थकों में से एक ग्रेग भी हैं, लेकिन मंत्रिमंडल में उनके शामिल होने का सुनक के अन्य विश्वासपात्र लोगों ने भी समर्थन किया है जो इस बात का संकेत है कि ट्रस पार्टी के दूसरे धड़े को भी जोड़ना चाहती हैं। सुनक के कट्टर समर्थक और पूर्व परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्स ने कहा, ''व्यापार के मामले में कोई भी व्यक्ति ग्रेग हैंड्स से अधिक अनुभवी और ज्ञानी नहीं है। इस स्वागत योग्य कदम से लिस ट्रस सरकार को मजबूती मिलेगी।'' सुनक भारतीय मूल के पहले शख्स हैं जो प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल हुए, हालांकि कंजर्वेटिक पार्टी के सदस्यों की ओर से किये गये मतदान के दौरान उन्हें पिछले महीने हार का सामना करना पड़ा। ग्रेग ने कहा कि सरकार का हिस्सा होना एक सम्मान की बात होने के साथ-साथ बड़ा विशेषाधिकार है। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को लेकर जारी वार्ता में भी ग्रेग के शामिल होने की संभावना है।

# यूक्रेन के प्रति और सख्त हुआ रूस, लगातार कर रहा है आकाशीय बमबारी

### भारतीय दूतावास ने जारी की एडवाइजरी, अनावश्यक यात्रा से बचें इंडियंस

**कीव/नयी दिल्ली (एजेंसी)।**

रूस ने एक बार फिर से यूक्रेन पर अपने हमले तेज करत दिए हैं। कीव पर लगातार रूस की तरह से बमबारी की जा रही हैं। अब तक एक रिपोर्ट के अनुसार 17 लोगों की मौत हो चुकी हैं। पिछले काफी दिनों से यह कहा जा रहा था कि यूक्रेन ने रूस को कांटे की टक्कर देते हुए रशिया की आर्मी को कमजोर कर दिया हैं। वहीं रूस से यूक्रेन के चार जगहों को अपनी टेरीटरी की हिस्सा मानते हुए उसे अपने कब्जे में कर दिया हैं। यूक्रेस ने कहा है कि रूस के बॉर्डर से लगी यह जगहे यूक्रेन का हिस्सा है और रूस से हथियारों के बल से इस पर कब्जा किया हैं। ऐसे में दोनों देशों के बीच युद्ध तेज हो गया हैं। यूक्रेन को लेकर व्लादीमीर पुतिन ने हाल ही में यह भी बयान दिया था कि अगर यूक्रेन नहीं मानता है तो देश की सुरक्षा के लिए रूस परमाणु बम का भी प्रयोग कर सकता है। ऐसे में दोनों देशों के बीच एक बार फिर से हालात बेहद खराब हो गये हैं जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा हैं।

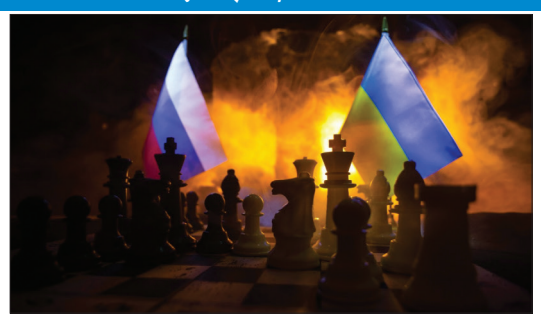

यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को यूक्रेन की अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी। भारतीय दूतावास का यह परामर्श यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष तेज होने के बाद आया है। दूतावास ने भारतीयों को यूक्रेन में रहने की जानकारी देने और अपनी स्थिति से भी उसे अवगत कराने को कहा है ताकि जरूरत पड़ने पर उन तक पहुंचा जा सके। दूतावास ने कहा, ''यूक्रेन में जारी संघर्ष के तेज होने के मद्देनजर भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे यूक्रेन की एवं यूक्रेन के भीतर की अनावश्यक यात्रा से बचें।''

परामर्श में कहा गया, ''वे यूक्रेन की सरकार और स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी सुरक्षा और संरक्षा दिशानिर्देश का कड़ाई से अनुपालन करें।'' गौरतलब है कि क्रीमिया में शनिवार को हुए धमाके के बाद रूस ने यूक्रेन के विभिन्न शहरों में हमले तेज कर दिए हैं और मिसाइलें दाग रहा है जिससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और तेज हो गया है। दूतावास ने कहा, '' भारतीय नागरिकों से अनुरोध किया जाता है कि वे यूक्रेन में अपनी उपस्थिति से दूतावास को अवगत कराएं ताकि जरूरत पड़ने पर उनतक पहुंचा जा सके।''

रूस ने सोमवार को यूक्रेन की राजधानी कीव समेत उसके कई शहरों को मिसाइल हमलों के जरिये निशाना बनाया और इस दौरान उसने रिहायशी इलाकों को भी नहीं बख्शा। राजधानी कीव में हमलों में कम से कम छह लोगों की जान गई तथा सड़कों पर जली हुई गाड़ियों और हमले में बर्बाद हुई इमारतों का मलबा बिखरा नजर आया। इन मिसाइल हमलों को हाल के महीनों में रूस द्वारा किया गया सबसे बड़ा व व्यापक हमला करार दिया गया।

## भारत और चीन के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरु होने की उम्मीद नहीं

**बीजिंग (एजेंसी)।**

कोरोना महामारी संबंधी नियमों में बदलाव के बिना भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानों का संचालन फिलहाल फिर से शुरू होने की संभावना नहीं है। दरअसल वर्ष 2019 के अंत में वुहान में पहली बार कोरोना संक्रमण के बाद में दुनियाभर में इसके फैलने के बाद से दोनों देशों के बीच उड़ान सेवाएं बाधित हैं। इससे सैकड़ों भारतीय छात्र, चीन में काम करने वाले भारतीयों के परिवारों और व्यापारियों के लिए उड़ान में व्यवधान एक बड़ी समस्या बन गया है। चीन ने हालांकि हाल में लगभग तीन साल बाद वीजा प्रतिबंध हटा लिया है।

सूत्रों ने बताया कि उड़ानों के फिर से शुरू नहीं होने की संभावना को देखकर भारतीयों को हांगकांग से यात्रा करने की सलाह दी जा रही है। भारत और हांगकांग के बीच दैनिक उड़ान सेवाओं का संचालन हो रहा है। ऐसी स्थिति में भारतीय हांगकांग से चीन के शहरों के लिए उड़ान भर सकते हैं, जहां उन्हें सात दिन तक पृथकवास(क्वारंटाइन) में रहना होगा।

भारतीय यात्री चीन के लिए फिलहाल श्रीलंका, नेपाल और म्यांमार जैसे देशों से यात्रा कर रहे हैं। चीन ने वर्ष 2020 में लगभग सभी देशों से उड़ान सेवाएं बंद कर दीं थी। लेकिन हाल के माह में चीन ने नेपाल, श्रीलंका और पाकिस्तान सहित कुछ देशों से सीमित उड़ान सेवाओं की अनुमति देना शुरू कर दिया है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारत और चीन सीमित उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने के लिए कई महीनों से बातचीत कर रहे हैं। लेकिन कोविड संक्रमित यात्री मिलने पर उड़ान रद्द करने से संबंधित चीन के नियम के कारण सीधी उड़ानों का संचालन शुरू नहीं हो रहा है। विमानन कंपनियों को नियम का पालन करना कठिन लगता है, क्योंकि वे कोविड का परीक्षण नहीं करते हैं जो चीन की यात्रा करने वाले सभी यात्रियों के लिए अनिवार्य हैं।

## ताइवान के राष्ट्रपति ने कहा- चीन की धमकी से किसी समस्या का समाधान नहीं होगा

**ताइवान (एजेंसी)।**

ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन ने सोमवार को कहा कि ताइवान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने की चीन की धमकी ''पूरी तरह से कोई विकल्प '' हो कसता और यह केवल दोनों पक्षों के बीच दूरियां ही बढ़ाएगी। ताइवान के राष्ट्रीय दिवस पर साई ने कहा कि चीन को ताइवान की बहुदलीय लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली को कमजोरी समझने और ''ताइवान के समाज को विभाजित करने का प्रयास'' करने की गलती नहीं करनी चाहिए। साई ने कहा, ''मैं बीजिंग के अधिकारियों को यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि सशस्त्र टकराव दोनों पक्षों के बीच पूरी तरह से कोई विकल्प नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''केवल हमारी संप्रभुता, लोकतंत्र और स्वतंत्रता के प्रति ताइवान के लोगों की प्रतिबद्धता का सम्मान करके ही ताइवान जलडमरू मध्य में रचनात्मक बातचीत को फिर से शुरू करने की नींव रखी जा सकती है।'' ताइवानी राष्ट्रपति ने कहा कि देश ने विदेशी हार्डवेयर का आयात बढ़ाकर तथा घरेलू शस्त्र उद्योग के पुनरुद्धार तथा हथियारों के लिए प्रशिक्षण को उन्नत करके चीन के खतरे से अपनी रक्षा करने की कोशिशों को मजबूत किया है। साई के बयान के जवाब में, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने ताइवान के प्रति उसके तल्ख रुख को दोहराते हुए कहा, ''ताइवान.... एक स्वतंत्र राज्य नहीं है और इसका कोई तथाकथित राष्ट्रपति नहीं है।'' माओ ने संवाददाताओं से कहा, ''ताइवान जलडमरूमध्य में मौजूदा तनाव का मूल कारण यह है कि (सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी) अधिकारी ताइवान की स्वतंत्रता पर कायम हैं और उकसावे के लिए बाहरी ताकतों के साथ साठगांठ कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम शांतिपूर्ण वार्ता के लिये तैयार हैं, लेकिन ताइवान की स्वतंत्रता के मकसद से अलगाववादी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

## किम-जोंग-उन को दक्षिण कोरिया ने दी चेतावनी,

### उत्तर कोरिया की मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम है हमारा देश

**सियोल। (एजेंसी)।**

दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को कहा कि वह उत्तर कोरिया द्वारा हाल में छोड़ी गयी विभिन्न मिसाइलों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने में समक्ष है। साथ ही उसने पड़ोसी देश के परमाणु कार्यक्रम को गंभीर सुरक्षा खतरा बताया। उत्तर कोरिया ने अपने विरोधियों पर परमाणु हमले के प्रतीकात्मक रूप में हाल में कई मिसाइलें छोड़ी। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि मिसाइलें छोड़ने के उसके दो हफ्तों के अभ्यास में दक्षिण कोरिया तथा अमेरिका के ठिकानों पर संभावित हमले में परमाणु क्षमता से संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल, युद्धक विमान और अन्य हथियार शामिल रहे।

उत्तर कोरिया ने कहा है कि हाल में किए गए उसके कई सारे मिसाइल प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका के लिए ''एक स्पष्ट चेतावनी'' थे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने अमेरिका के साथ मिलकर देश

की सुरक्षा को मजबूत बनाने के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया से परमाणु खतरा ''दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है।'' उन्होंने सियोल में अपने कार्यालय में पत्रकारों से कहा, ''उत्तर कोरिया लगातार परमाणु हथियार क्षमताएं विकसित कर रहा है और अब वह न केवल दक्षिण कोरिया बल्कि पूरी दुनिया को धमका रहा है लेकिन मुझे लगता है कि उत्तर कोरिया को परमाणु हथियारों से कुछ हासिल नहीं होने वाला।''

दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय में कार्यवाहक प्रवक्ता मून होंग सिक ने उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों को ''बेहद गंभीर'' बताया। साथ ही उन्होंने पत्रकारों से कहा कि दक्षिण कोरिया की मिसाइल रक्षा प्रणाली उत्तर कोरियाई मिसाइलों का पता लगाने तथा उन्हें मार गिराने में सक्षम है। मून ने कहा कि उत्तर कोरिया पर बेहतर तरीके से नजर रखने के लिए दक्षिण कोरिया खुफिया उपग्रह, विभिन्न निगरानी ड्रोन और अतिरिक्त समुद्र आधारित टोही हथियार पेश करने पर ध्यान दे रहा है।

# केटामाइन दवा 'इलाज रोधी अवसाद' से ग्रस्त लोगों की सोच बदलने में मददगार

**सैन फ्रांसिस्को। (एजेंसी)।**

केटामाइन दवा, अवसाद से ग्रस्त ऐसे लोगों को ठीक करने के लिहाज से एक प्रभावी दवा है जिन पर अन्य किसी प्रकार के इलाज का असर नहीं हो रहाहै।इसके इस्तेमाल से अवसाद के लक्षणों में त्वरित और सतत रूप से कमी आती है। केटामाइन दवा का इस्तेमाल चिकित्सकों और पशु चिकित्सकों द्वारा मुख्यत- बेहोशी और दर्द नाशक के रूप में किया जाता है। फ्रांसीसी रोगियों पर किए गए एक छोटे अध्ययन ने इस बारे में गहरी अंतरदृष्टि प्रदान की है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक अवसाद से दुनिया के पांच फीसदी वयस्क प्रभावित हैं और दुनियाभर की बीमारियों के बोझ में इसका एक बड़ा योगदान है। अवसाद से व्यक्ति की संज्ञानात्मक क्षमता क्षीण होती जाती है जिसका प्रत्यक्ष बोध और जीवन की घटनाओं की व्याख्या करने से सीधा संबंध है। अवसाद से ग्रस्त लोग दुनिया को निराशावादी नजरिये से देखते हैं और इसे निरर्थक और आशाहीन समझते हैं। बहुत अधिक निराशा से ग्रसित (परवेसिव पेसिमिज्म) व्यक्ति उन सूचनाओ को ग्रहण करने से इनकार कर देता है, जो भविष्य के बारे में उसके मजबूत नकारात्मक विचारों के खिलाफ होती हैं।

बहुत अधिक अवसाद या बाइपोलर अवसाद से ग्रसित करीब एक तिहाई लोगों की हालत में महीनों तक इलाज के बावजूद कोई महत्वपूर्ण सुधार नहीं दिखा। लेकिन सोचने की प्रक्रिया पर पड़ने वाले केटामाइन के असर को तब बेहतर तरीके से समझा जा सकता है जब हम उन तरीकों पर विचार करते हैं जिनका इस्तेमाल स्वस्थ लोग सोचने में करते हैं। जब लोग कोई निर्णय लेते हैं, तो सामान्य तौर पर उपलब्ध चुनावों के संभावित परिणाम के बारे में पहले कुछ परिकल्पना करते हैं या अनुमान लगाते हैं शोध में इसके पहले पता चला था कि मानव में एक मजबूत सकारात्मक पूर्वाग्रह होता है।

इसके मुताबिक अधिकांश लोग सकारात्मक घटनाएं होने की संभाव्यता को आवश्यकता से अधिक आंकते हैं जैसे कि नौकरी लगने और लॉटरी जीतने की सफलता। इसी तरह लोग खुद से जुड़ी नकारात्मक घटनाओं की प्रत्याशा को कम करके आंकते हैं जैसे कि कार दुर्घटना या कैंसर रोग से पीड़ित होना। लोगों के अच्छी खबर पर विश्वास करने की संभावना अधिक होती है यदि यह उनसे संबंधित होती हैं, इस प्रभाव को 'अच्छी खबर/बुरी खबर पूर्वाग्रह' के रूप में देखते हैं।

हालांकि, इस बात के सबूत हैं कि लोगों के सकारात्मक पूर्वाग्रह उनके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाये रखने में मदद कर सकते हैं। अध्ययन से पता चला कि अवसाद से ग्रस्त लोगों में सकारात्मक पूर्वाग्रह का अभाव होता है। ऐसा लगता है कि इन विश्वासों का अवसाद और इलाज को निष्प्रभावी बनाने में अहम योगदान है। 'जेएएमए साइकेट्री' में पिछले हफ्ते प्रकाशित एक नए शोध में इस बात की पड़ताल की गई कि क्या केटामाइन सकारात्मक पूर्वाग्रह को फिर से

संजोने का काम करता है, दिमाग में कोई परिवर्तन करने पर क्या होता है और क्या इस परिवर्तन का लंबे समम तक अवसादरोधी प्रभाव दिखता है?

अध्ययन में 56 लोगों की तुलना की गई। एक समूह में 26 इलाज रोधी अवसाद से ग्रस्त मरीज थे, जबकि 'नियंत्रण' समूह के स्वस्थ प्रतिभागियों की संख्या 30 थी। इलाज रोधी अवसाद से ग्रस्त मरीजों को केटामाइन दवा दी गई, लेकिन नियंत्रित समूह को कोई दवा नहीं दी गई। उपलब्ध परिणाम के आधार पर शोधकर्ताओं ने पाया कि केटामाइन दिये जाने के बमुश्किल चार घंटे बाद ही इलाज रोधी अवसाद के मरीजों में त्वरित रूप से अवसाद निरोधक प्रभाव दिखा। एक अन्य अध्ययन में 24 घंटों बाद केटामाइन के इस प्रभाव का और अधिक असर दिखा। यह असर सतत था और एक हफ्ते बाद अवसाद में काफी कमी दिखी। अध्ययन से पता चला कि इलाज रोधी अवसाद से ग्रस्त मरीजों में केटामाइन के इस्तेमाल पर 'सकारात्मक पूर्वाग्रह' में काफी अधिक बढ़ोतरी हुई। हालांकि, इस दिशा में अभी और अध्ययन की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### विभिन्न शिकायतों के बाद केरल भाजपा के प्रवक्ता संदीप जी वेरियद को पद से हटाया गया

कोट्टयम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई ने अपने प्रवक्ता संदीप जी वेरियर को पद से हटा दिया है। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने सोमवार को बताया कि पार्टी ने वेरियर को (प्रवक्ता पद से) हटा दिया है और प्रदेश नेतृत्व की बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया। इस कार्रवाई से पहले कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने वेरियर पर आरोप लगाये थे। ऐसी खबर आयी कि पलक्कड़, मल्लपुरम और कोझिकोड जिलों के वरिष्ठ नेताओं नेताओं ने वेरियर पर आरोप लगाया है कि उन्होंने पार्टी के नाम पर लोगों से पैसे वसूले हैं। हालांकि यहां मीडिया से बातचीत में सुरेंद्रन ने कहा कि यह कार्रवाई पार्टी का अंदरूनी फैसला है और कारण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। सोमवार को भाजपा कोर कमेटी और प्रदेश नेतृत्व की बैठक कोट्टयम में हुई थी। इन बैठकों में केरल भाजपा मामलों के प्रभारी प्रकाश जावडेकर , राधा मोहन अग्रवाल, कुम्मनम राजशेखरन, ओ राजगोपाल और पी के कृष्णदास ने हिस्सा लिया था।

### उपहार सिनेमा अग्निकांड: अदालत ने सुशील अंसल की याचिका पर पुलिस से जवाब मांगा

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड में सबूतों से छेड़छाड़ को लेकर रियल एस्टेट कारोबारी सुशील और गोपाल अंसल की दोषसिद्धि एवं सजा रद्द करने की उनकी याचिका पर मंगलवार को शहर की पुलिस से जवाब मांगा। सुशील अंसल ने 13 जून 1997 को हुए अग्निकांड से जुड़े इस मामले में अपनी कैद की सजा पहले ही पूरी कर ली है। इस घटना में 59 लोगों की मौत हो गयी थी। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने 83 वर्षीय सुशील अंसल की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया और मामले पर अगली सुनवाई के लिए 13 दिसंबर की तारीख तय की है। इस बीच, उच्च न्यायालय ने अंसल के तत्कालीन कर्मचारी पी पी बत्रा के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है क्योंकि सबूतों से छेड़छाड़ के मामले में दोषियों की सजा बढ़ाए जाने की पीड़ितों की याचिका पर सुनवाई के दौरान न तो वह और न ही उनका वकील अदालत में पेश हुआ। उच्च न्यायालय दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। एक याचिका सुशील अंसल ने अपनी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देते हुए दायर की है, जबकि दूसरी याचिका सबूतों से छेड़छाड़ के मामले में दोषियों को सुनाई गई सजा की अवधि बढ़ाए जाने को लेकर है। यह दूसरी याचिका 'एसोसिएशन ऑफ विक्टिम्स ऑफ उपहार ट्रेजेडी' (एवीयूटी) ने दायर की थी।

### मुंबई पुलिस ने किया दाऊद गिरोह के 5 और गुर्गे को गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस के क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटोर्शन सेल ने दाऊद गिरोह के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है. मुंबई में दाऊद गिरोह के 5 सक्रिय सदस्य को जांच एजेंसियों के साथ मिलकर मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है. खबर है कि बीते शाम जबरन वसूली मामले में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के गिरोह से जुड़े 5 लोगों को गिरफ्तार किया है. सूत्रों के मुताबिक रियाज भाटी और सलीम फ्रूट की ओर से जान से मारने की धमकी मिलने के बाद मुंबई के वर्सोवा में रहने वाले एक कारोबारी ने पुलिस से शिकायत की थी. इसके बाद इन पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. सूत्रों के मुताबिक दाऊद के दोनों सदस्यों ने कारोबारी से रोल रॉयस कार की मांग की थी. गिरफ्तार 5 आरोपियों के नाम अजय गोसारिया, फिरोज चमड़ा, समीर खान, अमजद रेडकर और पापा पठाण है.

### पिटाई से छात्र की मौत के मामले में आरोपी अध्यापक को नोएडा पुलिस ने हिरासत में लिया

नोएडा (उप्र)। बादलपुर थाना क्षेत्र के गांव बंबावड़ में स्थित एक स्कूल में छात्र की पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को आरोपी अध्यापक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि बीते शुक्रवार को कैप्टन सांवरिया पब्लिक स्कूल के छात्रों का टेस्ट लिया गया था। टेस्ट में अच्छे नंबर नहीं आने पर छात्र प्रिंस (12) की अध्यापक सोबरन ने डंडे से खूब पिटाई की थी। छात्र को गंभीर हालत में दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां उपचार के दौरान नौ अक्टूबर को उसकी मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि प्रिंस के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और मंगलवार दोपहर को पुलिस ने आरोपी अध्यापक को हिरासत में लिया।

### आंध्र प्रदेश में 4 अलग-अलग स्थानों से बरामद किया गया 400 किग्रा गधे का मांस, 7 लोग गिरफ्तार

अमरावती । आंध्र प्रदेश पुलिस ने बापटला शहर में 4 अलग-अलग स्थानों से 400 किलोग्राम गधे का मांस जब्त किया है। इतनी बड़ी मात्रा में पकड़ा गया गधे का मांस देश में अपनी तरह की सबसे बड़ी जब्ती मानी जा रही है। 400 किलोग्राम गधे का मांस जब्त करने के साथ ही पुलिस ने मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी में पुलिस की मदद करने वाले वन्यजीव कार्यकर्ताओं ने कहा कि आंध्र प्रदेश में गधों को मारने की प्रथा कई साल पुरानी है। आरोपी मांस को 600 रुपए किलो बेच रहे थे। आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में व्यापक मान्यता है कि गधे का मांस पीठ दर्द और अस्थमा को ठीक कर सकता है। गधे का यह मीट व्यापक रूप से प्रकाशम, कृष्णा, पश्चिम गोदावरी और गुंटूर जिलों में बेचा और खाया जाता है। भारत में गधे को मारे जाने या मीट बेचने पर पकड़े जाने पर सजा का प्रावधान है। भारतीय दंड संहिता की धारा 429 के तहत गधों के वध पर प्रतिबंध है जिसमें दंड के रूप में पांच साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। ऐसे मामलों में पशु क्रूरता कानून के तहत भी कार्यवाई की जाती है। बरामदगी ऐसे समय हुई है, जब देश गधों की आबादी में भारी गिरावट दर्ज की गई है। इसके अलावा, खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के अनुसार गधे के मांस का सेवन अवैध है। 2019 की पशुधन गणना के अनुसार भारत में गधों की आबादी घटकर 12 लाख हो गई, जो 2012 में 32 लाख हुआ करती थी। गिरावट का एक बड़ा कारण चीन में गधे की खाल की मांग को भी माना जाता है।

### पहली पत्नी और बच्चों की अच्छी तरह देखभाल नहीं करने वाले मुस्लिम को दूसरी शादी का अधिकार नहीं: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में कहा है कि इस्लामिक कानून एक पत्नी के रहते मुस्लिम व्यक्ति को दूसरी शादी करने का अधिकार देता है, लेकिन उसे पहली पत्नी की मर्जी के खिलाफ कोर्ट से साथ रहने के लिए बाध्य करने का आदेश पाने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा पत्नी की सहमति के बगैर दूसरी शादी करना पहली पत्नी के साथ क्रूरता है। कोर्ट यदि पहली पत्नी की मर्जी के खिलाफ पति के साथ रहने को बाध्य करती है, तो यह महिला के गरिमामय जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है। इस दौरान कोर्ट ने कुरान की सूरा 4 आयत 3 के हवाले से कहा कि यदि मुस्लिम अपनी पत्नी व बच्चों की सही देखभाल करने में सक्षम नहीं है, तो उसे दूसरी शादी करने की इजाजत नहीं होगी। कोर्ट ने परिवार अदालत संतकबीर नगर द्वारा पहली पत्नी हमीदुन्निशा उर्फ शफीकुनिशा को पति के साथ उसकी मर्जी के खिलाफ रहने के लिए आदेश देने से इनकार करने को सही करार दिया और फैसले व डिक्री को इस्लामिक कानून के खिलाफ मानते हुए रद्द करने की मांग में दाखिल प्रथम अपील खारिज कर दी।
यह फैसला जस्टिस एसपी केसरवानी और जस्टिस राजेन्द्र कुमार की खंडपीठ ने अजीजुर्रहमान की अपील पर दिया। कोर्ट ने कहा कि जिस समाज में महिला का सम्मान नहीं, उसे सभ्य समाज नहीं कहा जा सकता। महिलाओं का सम्मान करने वाले देश को ही सभ्य देश कहा जा सकता है। कोर्ट ने कहा मुसलमानों को स्वयं ही एक पत्नी के रहते दूसरी से शादी करने से बचना चाहिए। कोर्ट ने कहा एक पत्नी के साथ न्याय न कर पाने वाले मुस्लिम को दूसरी शादी करने की स्वयं कुरान ही इजाजत नहीं देता। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के तमाम फैसलों का हवाला दिया और कहा कि संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत प्रत्येक नागरिक को गरिमामय जीवन व व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार प्राप्त है। अनुच्छेद-14 सभी को समानता का अधिकार देता है और अनुच्छेद-15(2) लिंग आदि के आधार पर भेदभाव करने पर रोक लगाता है। कोर्ट ने कहा कि कोई भी व्यक्तिगत कानून या चलन संवैधानिक अधिकारों को उल्लंघन नहीं कर सकता। कोर्ट ने कहा पर्सनल लॉ के नाम पर नागरिकों को संवैधानिक मूल अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता।

# डॉक्टर बनने के लिए अंग्रेजी जरूरी नहीं, हिंदी में भी कर सकेंगे एमबीबीएस की पढ़ाई

## मेडिकल कोर्स लॉन्च करेंगे अमित शाह

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।**

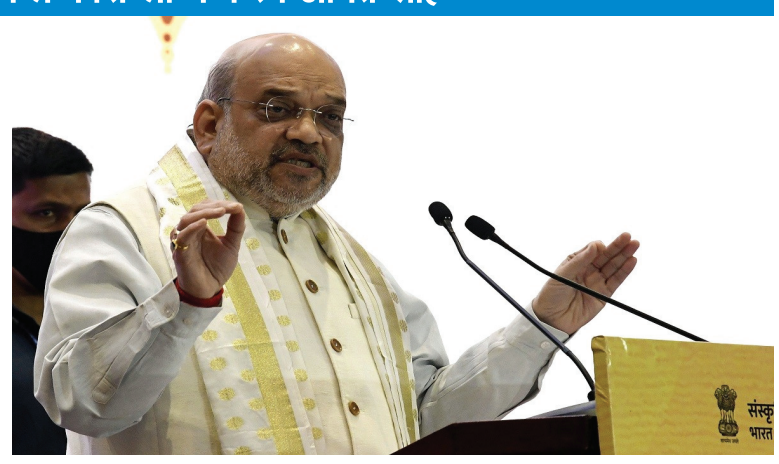

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह 16 अक्टूबर को मध्यप्रदेश के दौरे पर जा रहे हैं। इस दौरान वह भोपाल में एमबीबीएस प्रथम वर्ष की हिंदी में अनुवादित पुस्तकों का विमोचन करेंगे। इसका मतलब साफ है कि अब मेडिकल की पढ़ाई भी हिंदी में हो सकेगी। मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों को बड़ी सौगात दे रही है। यह उन छात्रों के लिए बड़ी बात है जो हिंदी में अपनी पढ़ाई को जारी रखना चाहते हैं। अमित शाह के विमोचन के बाद ही मध्यप्रदेश में हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। पिछले कई दिनों से मध्य प्रदेश की सरकार लगातार इस पर काम कर रही है। देश में यह पहली बार होगा जब किसी राज्य में एमबीबीएस को लेकर हिंदी में पढ़ाई हो रही होगी।

जिन छात्रों को मेडिकल की पढ़ाई करनी होती है, उनके लिए यह धारणा आम है कि अंग्रेजी आनी चाहिए। लेकिन इस विमोचन के बाद से यह धारणा बदल सकती है। अब मेडिकल की पढ़ाई सिर्फ इंग्लिश में नहीं, हिंदी में भी हो सकती है। कोई भी छात्र जो हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई करना चाहते हैं। उन्हें इस कदम से लाभ मिल सकता है। खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इसे क्रांतिकारी कदम बता रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि मध्य प्रदेश में इससे एक नई शुरुआत होगी। इसको लेकर भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तमाम तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। अब तक मिली जानकारी के मुताबिक अमित शाह एनाटॉमी, बायोकेमिस्ट्री और फिजियोलॉजी पर हिंदी में मेडिकल की किताबें जारी करेंगे।

शिवराज सिंह चौहान ने यह भी कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक संकल्प है कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिए और इसी वजह से हम इस पर आगे बढ़ रहे हैं। हम उन लोगों के जीवन में नया अभियान लाना चाहते हैं जो अंग्रेजी नहीं जानते हैं। शिवराज ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 16 अक्टूबर को मध्यप्रदेश आ रहे हैं। हमारा मध्यप्रदेश देश में पहला राज्य होगा, जहां मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में किए जाने की शुरुआत होगी।

## ज्ञानवापी मामला: कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग पर फैसला 14 अक्टूबर को

**वाराणसी (उर प्रदेश)। (एजेंसी)।**

ज्ञानवापी परिसर के वीडियोग्राफी-सर्वे के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने से मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक परीक्षण की मांग से जुड़े मामले पर वाराणसी की जिला अदालत ने मंगलवार को फैसला 14 अक्टूबर तक सुरक्षित रख लिया है। जिला शासकीय अधिवक्ता महेंद्र प्रताप पांडेय ने बताया कि कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक परीक्षण के मामले में बहस पूरी हो गयी है। अदालत सुनवाई की अगली तारीख 14 अक्टूबर को इस पर अपना आदेश सुनाएगी। उन्होंने बताया कि ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक परीक्षण को लेकर सात अक्टूबर को हिन्दू पक्ष ने अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुए दावा किया था कि वजूखाने में मिला शिवलिंग उनके वाद का हिस्सा है। हिन्दू पक्ष के स्पष्टीकरण पर मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ताओं ने अपना जवाब प्रस्तुत कर दिया है। मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता मुमताज अहमद ने बताया कि उन्होंने अदालत से कहा है कि परिसर में मिली आकृति की कार्बन डेटिंग नहीं करायी जा सकती। उन्होंने कहा, ''दूसरा, हिन्दू पक्ष तोड़-फोड़ की बात कर रहा है, जिससे आकृति नष्ट हो सकती है। जबकि उच्चतम न्यायालय ने उसे संरक्षित रखने का आदेश दिया है। अगर कार्बन डेटिंग के नाम पर आकृति में तोड़ फोड़ की जाती है तो यह उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवहेलना होगी।'' गौरतलब है कि सिविल जज सीनियर डिवीजन के आदेश पर पिछली मई में हुई ज्ञानवापी परिसर की वीडियोग्राफी सर्वे के दौरान ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में एक लम्बा और ऊपर से गोल पत्थर मिला था। हिन्दू पक्ष का दावा है कि वह शिवलिंग है, जबकि मस्जिद इंतजामिया कमेटी का कहना है कि वह शिवलिंग नहीं बल्कि फौव्वारे का हिस्सा है। उसकी दलील है कि मुगलकाल में बनी अनेक अन्य ऐसी मस्जिदें और दीगर इमारतें हैं जिनके वजूखाने में इसी तरह के फौव्वारे लगे हैं। बहरहाल, हिन्दू पक्ष ने जिला अदालत से कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच कराने की मांग की थी, ताकि यह पता लग सके कि वह पत्थर कितना पुराना है।

# मेरा और खड़गे जी का गांधी परिवार समर्थन कर रहा: थरूर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

कांग्रेस के अध्यक्ष पद के दावेदार शशि थरूर ने कहा कि गांधी परिवार चुनाव में उनका और दूसरे उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन कर रहा है। इतना ही नहीं दोनों में से किसी के प्रति पक्षपातपूर्ण रवैया नहीं अपना रहा है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों से मुलाकात के बाद थरूर ने कहा कि उनका उद्देश्य 2024 के चुनाव से पहले कांग्रेस को मजबूत बनाना है।

उन्होंने कहा, गांधी परिवार मुझे और खड़गे जी को अपना आशीर्वाद दे रहा है। क्योंकि, हम कांग्रेस को मजबूत करने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं।'' थरूर ने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि खड़गे और उनके बीच चुनावी मुकाबला एक ''आधिकारिक उम्मीदवार (खड़गे) और एक ''अनाधिकारिक उम्मीदवार' (थरूर) के बीच है, जैसा कि कुछ नेता दावा कर रहे हैं। थरूर ने कहा, ''गांधी परिवार के साथ संवाद के बाद मैं आश्वस्त हुआ कि उनकी तरफ से मेरे या खड़गे के प्रति कोई पक्षपातपूर्ण रवैया नहीं है।''

उन्होंने कहा कि भाजपा को विपक्ष का हिस्सा बनने की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए क्योंकि 2024 के चुनाव के बाद उन्हें वहीं बैठना होगा। थरूर ने कहा, हमारी पार्टी को बदलाव की जरूरत है और मेरा मानना है कि मैं वह व्यक्ति हूं, जो बदलाव का उत्प्रेरक बनूंगा।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को ठीक से ढंग से चलाया है और पार्टी में अनुभवी लोग हैं।

थरूर ने कहा, हमें मतदाताओं के भरोसे को जीतने की जरूरत है। इस मौके पर महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले मौजूद नहीं थे। जब पटोले की अनुपस्थिति के बारे में पूछा गया तब थरूर ने कहा, मेरी पटोले से बातचीत हुई थी और उन्होंने मुझे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी दी। मैं इसकी शिकायत बिल्कुल नहीं कर रहा हूं। कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय तिलक भवन में ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के सदस्यों ने थरूर का स्वागत किया। इस मौके पर पूर्व लोकसभा सदस्य प्रिया दत्त और पूर्व राज्य सभा सदस्य बालचंद्र मुंगेकर भी मौजूद थे।

## बांग्लादेश के 1,800 लोक सेवकों को 2025 तक प्रशिक्षित किया जाएगा: केंद्र

**नयी दिल्ली।** भारत 2025 तक बांग्लादेश के 1,800 लोक सेवकों को प्रशिक्षित करेगा। कार्मिक मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। मसूरी में राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (एनसीजीजी) में मंगलवार को बांग्लादेश के लोक सेवकों के लिए 'फील्ड एडमिनिस्ट्रेशन' में दो सप्ताह के 53वें क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। बयान में कहा गया है कि 2019 से पहले एनसीजीजी में बांग्लादेश के 1,500 लोक सेवकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें कहा गया है, ''पहले चरण के सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद बांग्लादेश के 1,800 और लोक सेवकों की क्षमता निर्माण का जिम्मा उठाया जाएगा, जो 2025 तक पूरा करने की योजना है।'' यह देश में इकलौता संस्थान है जिसने सहायक आयुक्त, उप-जिला निर्भय अधिकारी/उपमंडलीय दंडाधिकारी (एसडीएम) और अतिरिक्त उपायुक्त जैसे बांग्लादेश के 1,727 फील्ड स्तरीय अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। भारत सरकार ने देश के सर्वोच्च संस्थान के तौर पर 2014 में एनसीजीजी की स्थापना की थी।

## सीएम मान ने जी-20 की अमृतसर में होने वाली बैठक की तैयारियों की समीक्षा की

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।**

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अगले साल मार्च में जी-20 की अमृतसर में होने वाली बैठक की तैयारियों की समीक्षा की। जी-20 या 20 समूह विश्व के प्रमुख विकसित और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं का अंतर सरकारी मंच है। इसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं।जी-20 की अध्यक्षता की जिम्मेदारी एक दिसंबर 2022 से नवंबर 2023 तक भारत के पास रहेगी। इस दौरान समूह की करीब 200 बैठकें देश में होंगी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृतसर में होने वाली बैठक मार्च महीने में होगी और दुनिया के प्रमुख देश इसमें शामिल होने वाले हैं। मान ने कहा, यह सौभाग्य की बात है कि हमें इस बैठक की मेजबानी करने का मौका मिला है, जिसमें शामिल देशों द्वारा शिक्षा पर मंथन किया जाएगा।''उन्होंने कहा कि वैश्विक आयोजन को सफल बनाने के लिए वृहद पैमाने पर तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे शहर को पांच सेक्टर में बंटकर प्रत्येक सेक्टर में प्रभावी प्रबंधन के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी अपने-अपने तैनाती क्षेत्र में सम्मेलन के दौरान गतिविधियों को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए जिम्मेदार होगी। मुख्यमंत्री ने आयोजन के दौरान दैनिक आधार पर होने वाली गतिविधियों की निगरानी के लिए मंत्रिमंडल की उप समिति भी गठित की है। मान ने मंत्रिमंडल की उप समिति की सहायता करने और बिना बाधा कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए मुख्य सचिव विजय कुमार जान्जुआ की अध्यक्षता में उच्च अधिकार प्राप्त समिति का भी गठन किया है।

## दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने 50 नई 'लो-फ्लोर' सीएनजी बसों को हरी झंडी दिखाई

**नई दिल्ली। (एजेंसी)।**

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को सीएनजी से चलने वाली 50 नई 'लो-फ्लोर' क्लस्टर बसों को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि यह बसें राष्ट्रीय राजधानी के ग्रामीण इलाकों में 'संपर्कता' में सुधार करेंगी। उन्होंने परिवहन विभाग की प्रवर्तन शाखा के लिए 30 इनोवा कार और 36 मोटरबाइक को भी हरी झंडी दिखाई।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कहा, '' यह सभी वाहन लेन अनुशासन लागू करने में शामिल होंगे। अप्रैल से हमने लेन अनुशासन अभियान शुरू किया था।'' केजरीवाल ने कहा कि 2023 तक दिल्ली की सड़कों पर 1,800 विद्युत बसें होंगी, जबकि 2025 तक शहर के बस बेड़े का 80 फीसदी हिस्सा विद्युत होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने 1,500 विद्युत बसों के लिए प्रस्ताव जारी किया है और अगले साल नवंबर तक ऐसी 1,800 बसें दिल्ली की सड़कों पर चलने लगेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने 50 नई लो-फ्लोर सीएनजी (वातानुकूलित) बसों को शामिल किया है। पहले लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता था, क्योंकि दिल्ली में पर्याप्त बसें नहीं थीं, लेकिन पिछले दो तीन वर्षों में बड़ी संख्या में विद्युत, सीएनजी, क्लस्टर बसों को बेड़े में शामिल किया गया है। '' नई बसें हाल में तैयार किए गए बवाना बस डिपो में रखी जाएंगी। उन्होंने कहा, ''इससे ग्रामीण इलाकों में 'संपर्कता' (कनेक्टिविटी) बढ़ाने में मदद मिलेगी। पहले से ही 360 क्लस्टर बस मार्ग हैं। इन बसों के लिए छह नए मार्ग होंगे जो ग्रामीण क्षेत्रों तक सेवाएं प्रदान करेंगे।

## वहां भारत बर्दाश्त नहीं, जहां करोड़ों युवाओं के पास नौकरी नहीं हो: राहुल गांधी

**बेंगलुरु (एजेंसी)।**

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि देश के लोग इसतरह के भारत को बर्दाश्त नहीं करने जा रहे हैं, जहां लाखों युवा बेरोजगार हैं, और बड़ी संख्या में लोग बढ़ती महंगाई के बोझ तले दबे हुए हैं। जनसभा को संबोधित कर राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा उस नफरत, हिंसा और गुस्से से लड़ने के लिए है, जिसे भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इस देश में फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, भाजपा के लिए यह संदेश है कि भारत का बंटवारा नहीं होगा, भारत एकजुट होकर खड़ा रहेगा और यह संदेश इस यात्रा में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, क्योंकि यात्रा में हिंसा, नफरत और गुस्से के लिए कोई स्थान नहीं है। राहुल गांधी ने कहा, हम उस भारत को बर्दाश्त नहीं करने वाले हैं जहां करोड़ों युवाओं को नौकरी नहीं मिल सकती। हम उस भारत को बर्दाश्त नहीं करने जा रहे हैं, जहां करोड़ों लोग बढ़ती महंगाई के बोझ तले दबे हों।''

किसानों और महिलाओं की कथित दुर्दशा का जिक्र कर राहुल गांधी ने कहा, हम उस भारत को बर्दाश्त नहीं करने जा रहे हैं, जहां कुछ लोगों को अपनी इच्छानुसार कुछ भी चुराने का अधिकार हो और शेष भारत भूखा हो और शेष भारत के पास नौकरी न हो। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कर्नाटक सरकार पर भी हमला कर इस देश में सबसे भ्रष्ट'' करार दिया।

उन्होंने कर्नाटक सरकार से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण बढ़ाकर नागमोहन दास समिति की रिपोर्ट को तुरंत लागू करने का भी आह्वान किया। राहुल गांधी ने कहा,ढाई साल से उन्होंने इस रिपोर्ट पर कुछ नहीं किया है। वे इस रिपोर्ट पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं? उन्हें समय बर्बाद नहीं करना चाहिए और इस रिपोर्ट को तुरंत लागू करना चाहिए।

## शीत युद्ध के दौर में पश्चिमी देशों ने भारत को सैन्य हथियारों की आपूर्ति नहीं की: जयशंकर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि 'पड़ोस में सैन्य तानाशाही के लिए पश्चिमी देशों की प्राथमिकता के कारण, भारत के पास रूसी मूल के हथियारों की पर्याप्त सूची है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान यह बात कही। दरअसल जयशंकर ने यह बात एक ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार के सवाल के जवाब में कही, जिन्होंने उनसे पूछा था कि क्या भारत रूसी हथियारों पर अपनी निर्भरता कम करेगा और यूक्रेन संघर्ष के कारण रूस के साथ अपने संबंधों पर पुनर्विचार करेगा। जयशंकर ने कहा, हमारे पास सोवियत और रूसी मूल के हथियारों की पर्याप्त सूची है। और वह सूची वास्तव में कई कारणों से बढ़ी। आप जानते हैं, हथियार प्रणालियों की खूबियां, बल्कि इसलिए भी कि कई दशकों तक पश्चिमी देशों ने भारत को हथियारों की आपूर्ति नहीं की और वास्तव में, हमारे बगल में एक सैन्य तानाशाही को पसंदीदा साथी के रूप में देखा।' वह शीत युद्ध के दौर का जिक्र कर रहे थे, जब अमेरिका ने पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति करना पसंद किया, जो 1980 के दशक में सैन्य तानाशाहों द्वारा शासित था। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और रूस के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंध हैं, जिसने निश्चित रूप से नई दिल्ली के हितों की अच्छी सेवा की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

# लव जिहाद एक और मामला : चार संतानों का पिता 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को भगा ले गया

**क्रांति समय,सूरत**
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,गुजरात में लव जिहाद का एक और मामला सामने आया है। जिसमें चार संतानों का पिता एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को भगा ले गया। घटना सूरत के सचिन क्षेत्र की है। सचिन क्षेत्र में रहनेवाली 17 वर्षीय नाबालिग लड़की होजीवाला इंडस्ट्रीयल एस्टेट में नौकरी कर परिवार को आर्थिक मदद करती थी। लड़की नियमित 48 वर्षीय अब्दुल हमीद हासीम मढी की ऑटो रिक्शा में नौकरी पर आती जाती थी। लाजपोर में रहनेवाले अब्दुल हमीद ने नाबालिग लड़की को अपने प्रेमजाल में फंसा लिया और उसे लेकर भाग गया। लड़की की बुआ ने अब्दुल हमीद के खिलाफ सचिन पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवा दी। सचिन पुलिस के मुतबिक 48 वर्षीय ऑटो चालक अब्दुल हमीद की चार संताने हैं। जिसमें से दो बेटियों की शादी भी हो चुकी है। सचिन पुलिस ने अब्दुल हमीद के खिलाफ अपहरण और एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसके साथ ही लड़की के मोबाइल फोन की डिटेइल के आधार पर पुलिस ने जांच शुरूकी है। चार संतानों के विधर्मी पिता द्वारा हिन्दू लड़की भगा ले जाने की घटना के बाद हिन्दू संगठनों में आक्रोश है। हालात को देखते हुए पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है।

# पंडोल में डायमंड का कारीगर, ,लिमदा चौक में युवक की हत्या, रुद्रपुरा में प्रेमिका के भाई ने प्रेमी के भाई की हत्या

**क्रांति समय,सूरत**
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में पिछले कुछ दिनों से हत्या की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पिछले 48 घंटों में 3 हत्याएं प्रकाश में आई हैं। रुद्रपुरा क्षेत्र में 9 अक्टूबर की तड़के दो भाइयों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, इनमें से एक की मौत हो गई. लालगेट इलाके में देर रात लकड़ी के डंडे से एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई तो घटना का खुलासा हुआ है. हत्या की घटना पास के सीसीटीवी में कैद हो गई। फिर नृशंस हत्या का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। जबकि 10 तारीख की देर रात चौकबाजार इलाके में एक जौहरी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई.

**दो दिन में तीन हत्याएं**

शहर में दो दिन में अलग-अलग इलाकों से तीन हत्याओं की खबर है. बीते दिन आठवें थाने से हत्या की घटना का खुलासा हुआ. फिर लालगेट थाना क्षेत्र से एक हत्या की घटना भी सामने आई और अब चौक बाजार थाना क्षेत्र से हत्या की एक और घटना सामने आई है, महज दो दिन में तीन हत्याओं का खुलासा हुआ है.

# पीएम मोदी से मिलने के लिए वडोदरा से साइकिल चलाकर 17 वर्षीय युवक पहुंचा उज्जैन

**क्रांति समय,सूरत**
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,वडोदरा का 17 वर्षीय ओम जोशी नामक युवक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने के लिए साइकिल पर 380 किलोमीटर की दूरी तय कर उज्जैन पहुंच गया है। उज्जैन पहुंचा ओम जोशी वहां के जन प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों से महाकाल लोक में पीएम मोदी से मिलने की अनुमति देने की गुहार लगा रहा है। बता दें कि पीएम मोदी मंगलवार की शाम उज्जैन में महाकाल लोक राष्ट्र को समर्पित करेंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को भव्यातिभव्य बनाने की तैयारियों के साथ ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इन सबके बीच वडोदरा का ओम जोशी प्रधानमंत्री से मिलने की ख्वाइश लेकर उज्जैन पहुंचा है। जन प्रतिनिधियों और प्रशानिक अधिकारियों से पीएम मोदी से मिलने की विनती कर रहा है। ओम जोशी के मुताबिक वह अब तक 6 बार पीएम मोदी से मिलने की कोशिश कर चुका है, लेकिन उसके प्रयासों में कोई कमी रह होगी, इसी वजह से यह संभव नहीं हो पाया। ओम जोशी ने कहा कि वह पीएम मोदी का सबसे बड़ा प्रशंसक है और वह उन्हें अपना गुरुमानता है।

पीएम मोदी से मिलने के लिए ही वडोदरा से साइकिल पर 380 किलोमीटर की यात्रा कर उज्जैन पहुंचा हूं। इसलिए मुझे पीएम मोदी से मिलने की मंजूरी दी जानी चाहिए। ओम जोशी ने बताय कि 5 अक्टूबर को वडोदरा से साइकिल पर उज्जैन के लिए निकला था। 3 दिन की यात्रा पूरी कर वह 7 अक्टूबर को उज्जैन पहुंचा और तब से प्रशासनिक अधिकारी और जन प्रतिनिधियों से एक बार पीएम मोदी से मिलने की मंजूरी मांग रहा है। ओम जोशी वडोदरा शहर भाजपा प्रमुख डॉ. विजय शाह का पत्र भी लेकर आया है और यह पत्र उज्जैन भाजपा अध्यक्ष विवेक जोशी के नाम है।

# अप्रतिम है गुजरात का 20 साल का औद्योगिक विकास, कई नए कीर्तिमान स्थापित किए

**क्रांति समय,सूरत**
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,औद्योगिकीकरण और औद्योगिक विकास को अधिकांशतः आर्थिक विकास का इंजन माना जाता है, लेकिन वास्तव में इसका संबंध अर्थ के साथ-साथ राज्य की सामाजिक व्यवस्था और समरसता से भी है। जब कोई राज्य अर्थ के दृष्टिकोण से सुदृढ़ हो तो सामाजिक विकास भी स्वतः ही अपना व्यवस्थित आकार लेने लगता है। गुजरात देश का संभवतः एकलौता ऐसा राज्य है जिसने पिछले 20 साल में लगातार विकास के कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। गुजरात में पिछले 20 वर्षों के दौरान आए शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व ने अपने दूरदर्शी विजन, अनुशासन और निरंतर कठिन परिश्रम से गुजरात को नई बुलंदियों तक पहुँचाया है। हालाँकि, किसी को भी सफलता रातोंरात नहीं मिलती। 20 साल पहले नरेन्द्र मोदी को भी गुजरात की बागडोर जब मिली तह यह राज्य कई आर्थिक चुनौतियों, सामाजिक विपदाओं और प्राकृतिक आपदाओं से घिरा हुआ था। 2002 में कच्छ के भुज में आए सदी के भयानक भूकंपों में से एक ने गुजरात की आर्थिक-सामाजिक नींव को झकझोर कर रख दिया था। गुजरात आपदा में अवसर खोज निकालने में विश्वास करता है। तत्कालीन नरेन्द्र मोदी की सरकार ने गुजराती अस्मिता के इसी गुण के बदौलत मात्र 2-3 सालों के भीतर ही न केवल कच्छ के भुज में विश्व स्तरीय विकास किया बल्कि भुज को गुजरात के सबसे बड़े जिले कच्छ का औद्योगिक केन्द्र भी बना दिया। नरेन्द्र मोदी के इस कार्य प्रदर्शन ने उस समय ही यह संकेत दे दिए थे कि गुजरात अब न थकने वाला है और न ही रुकने वाला, वह तो नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास की अनंत विकास यात्रा की ओर चल पड़ा है।

"वाइब्रेंट गुजरात" ने रखी गुजरात के आर्थिक विकास की नई नींव 2003 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा शुरू किए गए एक अभिनव पहल "वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट" ने गुजरात की आर्थिक दशा और दिशा को बदलने का काम किया। देश-विदेश के निवेशकों को गुजरात में निवेश के लिए आमंत्रित करने के विषय पर आधारित यह कार्यक्रम आज पूरे विश्व में काफी लोकप्रिय है।

वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट ने गुजरात को लाखों करोड़ रुपए का निवेश दिया जिसके बाद यहाँ के औद्योगिक विकास को एक नया जीवन मिला।

एक ओर जहाँ गुजरात में कई नई औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हुईं, तो वहीं दूसरी तरफ गुजरात में लगातार रोजगार के नए-नए अवसरों का भी सृजन हुए। वर्तमान में 28,479 फैक्ट्रियों के साथ गुजरात तमिलनाडु के बाद दूसरा सबसे बड़ा राज्य हैं जहाँ सबसे अधिक फैक्ट्रियाँ मौजूद हैं और इन्होंने राज्य के लगभग 16 लाख लोगों को रोजगार दिया है। वहीं निवेश के आँकड़े को देखा जाए तो वर्ष 2003 से लेकर अगस्त 2022 तक गुजरात ने रु. 51.19 बिलियन क्युमुलेटिव स्नष्ठढ्ढ प्राप्त किया है। इस प्रकार हम यदि यह कहें कि वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट ने इस राज्य में औद्योगिक विकास के नई पीढ़ी की नींव रखी, तो यह शायद अतिशयोक्ति नहीं होगा।

'नीति-संचालित राज्य' के सिद्धांत ने गुजरात की विकास का किया नेतृत्व सार्वजनिक नीति निर्माण, उसका अंगीकरण और कार्यान्वयन किसी भी राज्य के संपूर्ण विकास की रीढ़ होती है। सरकार की नीतियाँ ही राज्य के विकास यात्रा की दिशा तय करती है। पिछले 20 सालों में गुजरात सरकार की नीतियाँ अपने-अपने समय पर समावेशी, प्रगतिशील और भविष्यवादी रही हैं।

गुजरात इस बात का एक उत्कृष्ट उदाहरण है कि कैसे एक नीति-संचालित प्रणाली किसी भी चुनौती को अवसर में बदलने के लिए पर्याप्त है। गुजरात का विकास और उसकी चौतरफा सफलता का रहस्य हमेशा से ही उसका नीति-संचालित राज्य में निहित रहा है।

पूर्व में श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उसके बाद अलग-अलग शीर्षस्थ नेतृत्व ने गुजरात को ऐसी प्रगतिशील और भविष्य को ध्यान में रखकर नीतियां दी